www.anokhateer.com anokhateer@gmail.com पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

Epaper

दैनिक
अनोखा तीर
हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित
निशाने पर हर खबर

27 अप्रैल 2025
हरदा, रविवार
वर्ष-14, अंक - 320, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
वैशाख कृष्ण - 14
विक्रम संवत् 2082

वन परिक्षेत्र बुदनी में नर तेंदुए की रहस्यमयी मौत

अनोखा तीर, बुदनी।

मध्यप्रदेश के विंध्याचल पर्वत श्रृंखला के अंतर्गत रातापानी अभ्यारण वन्य प्राणी संरक्षण क्षेत्र में वन्य प्राणियों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 1 साल के दौरान वन परिक्षेत्र बुदनी के अंतर्गत आने वाले रातापानी अभ्यारण क्षेत्र में कई वन प्राणियों की मौत हो चुकी है। कहीं पर रेलवे लाइन से कट कर तो कहीं पर नेशनल हाईवे पर वन प्राणियों की मौत हो रही है। वन विभाग वन्य प्राणियों की इन मौत को नियंत्रित करने में अपने आपको असफल महसूस कर रहा है। 25 अप्रैल की शाम 5:30 बजे के लगभग ग्रामीणों की सूचना पर वन अमले ने ग्राम तालपुरा के जंगल से तेंदुए के शव को बरामद किया गया। रेलवे लाइन के खंभा नंबर 772/3 की पुलिया के नीचे एक नर तेंदुए का शव बरामद कर कस्टागार बुधनी लाया गया। घटना की सूचना पर डीएफओ एमएस डाबर, रातापानी अभ्यारण रायसेन वन्य प्राणी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित ओड एवं पशु चिकित्सा अधिकारी बुधनी के द्वारा मृत तेंदुए की मृत्यु के कारण पता लगाने के लिए खोजी कुत्ते को जिस स्थान पर तेंदुए का सब बरामद किया था वहां पर ले जाया गया। पोस्टमार्टम के उपरांत शव का डिपो में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

तेंदुए की मौत की जांच में जुटी वन विभाग की टीम

सीएम यादव और गृह मंत्री शाह के बीच बात पक्की!

बड़े नेता आमने-सामने, इसलिए अटका एमपी बीजेपी अध्यक्ष का नाम

अनोखा तीर, भोपाल।

मध्य प्रदेश में बीजेपी के नए अध्यक्ष का नाम अभी तक तय नहीं हो पाया है। कई बड़े नेताओं के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण यह मामला अटका हुआ है। जनवरी में चुनाव अधिकारी बनाए गए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का दौरा भी नहीं हो पाया है। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष का नाम भी घोषित किया जाएगा। दिग्गजों के बीच खींचतान और रायशुमारी न हो पाने के कारण यह मामला उलझा हुआ है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की सहमति भी इस मामले में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जिलाध्यक्षों के नाम घोषित होने के बाद उम्मीद थी कि प्रदेश को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। लेकिन, यह इंतजार बढ़ता ही जा रहा है।

चुनाव अधिकारी बने पर दौरा नहीं कर पाए केंद्रीय मंत्री

जनवरी में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को चुनाव अधिकारी बनाया गया था लेकिन, उनका प्रदेश दौरा नहीं हो पाया। उन्होंने किसी नाम पर सहमति बनाने की कोशिश की हो या रायशुमारी की हो, ऐसा कुछ भी सामने नहीं आया है। पार्टी के नेताओं का मानना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर सहमति बनने के बाद मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे कई राज्यों के अध्यक्षों के नाम घोषित किए जाएंगे लेकिन, अभी तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का नाम भी तय नहीं हो पाया है। यह पहली बार है जब बीजेपी के संगठन चुनाव में बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और जिलाध्यक्षों के चुनाव के चार महीने बाद भी प्रदेश अध्यक्ष का पद खाली है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में बड़े नेता कम हैं।

आज मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे 'एमपी टेक ग्रोथ' कॉन्क्लेव-2025' का शुभारंभ

जुटेंगे देश-दुनिया के टेक-दिग्गज

● **ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में आज होगा भव्य आयोजन**

अनोखा तीर, भोपाल।

मध्यप्रदेश को टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार का केन्द्र बनाने के उद्देश्य से आयोजित 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025' का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 अप्रैल को इंदौर के 'ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर' में करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उम्मीद जताई है कि कॉन्क्लेव देश-दुनिया के टेक दिग्गजों के लिए निवेश का स्वर्णिम अवसर सिद्ध होगा। राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का ये कॉन्क्लेव आयोजन जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को मूर्तरूप देने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' प्रदेश का पहला पूर्णतः सेक्टर आधारित टेक-कॉन्क्लेव होगा, जो हाल ही में आयोजित जीआईएस-भोपाल में आये निवेश प्रस्तावों को धरातल पर साकार करने का मंच बनेगा। कार्यक्रम में गुगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीआईडीए जैसी बिग-टेक कंपनियों सहित 300 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञ, उद्योगपति, नीति निर्माता और निवेशक शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर प्रदेश की चार नई तकनीकी नीतियों जीसीसी नीति, ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर नीति एवं एवीजीसी-एक्सआर नीति की गाइडलाइन्स जारी करेंगे। यह नीतियां नवाचार, अनुसंधान और निर्माण को प्रोत्साहित कर प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर तक तकनीकी उद्यमिता और क्षमताओं को नई ऊँचाइयाँ देंगी।

कॉन्क्लेव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव नए आईटी पार्क, स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स और स्टार्ट-अप इन्क्यूबेटरों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री कॉन्क्लेव में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' और इन्क्यूबेशन हब का शुभारंभ करेंगे, प्रमुख निवेशकों के साथ एमओयू और आवंटन-पत्रों पर हस्ताक्षर करेंगे और इंवेस्टमेंट फैसिलिटेशन पोर्टल का शुभारंभ करेंगे। इस पोर्टल से निवेशकों को प्रोजेक्ट्स की रियल-टाइम ट्रैकिंग और एकल खिड़की की सुविधा मिलेगी।

कॉन्क्लेव में सेक्टर-स्पेसिफिक राउंड टेबल मीटिंग्स, सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार बोर्ड से वीसी संवाद और मुख्यमंत्री की टेक-लीडर्स के साथ वन-टू-वन बैठकें भी कॉन्क्लेव का हिस्सा होंगी।

'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025' मध्यप्रदेश को भविष्य के डिजिटल भारत में अग्रणी बनाने और जीआईएस-भोपाल की निवेश प्रतिबद्धताओं को साकार करने की दिशा में एक निर्णायक पहल सिद्ध होगी।

हाईकोर्ट के फैसले से 50 हजार से अधिक नर्सिंग छात्रों को राहत

अनोखा तीर, जबलपुर।

मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों में हुए बड़े फर्जीवाड़े और परीक्षाओं में बार-बार हो रही देरी पर हाईकोर्ट ने

सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि 2022-23 सत्र की लंबित परीक्षा अब हर हाल में 28 और 29 अप्रैल को आयोजित की जाए। यह परीक्षा पहले चार बार टाली जा चुकी है- दो बार मेडिकल यूनिवर्सिटी और दो बार एमपी नर्सिंग काउंसिल की ओर से। कोर्ट के इस निर्देश से 200 डिग्री और 400 से अधिक डिप्लोमा कॉलेजों के 50 हजार से अधिक छात्रों को बड़ी राहत मिली है।

हाईकोर्ट ने यह भी साफ कर दिया है कि नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता से जुड़े मामलों में गठित उच्च स्तरीय कमेटी की भूमिका अब समाप्त हो चुकी है और अब किसी भी कॉलेज का मामला कमेटी को नहीं सौंपा जाएगा।

अमुआ डैम में नहाने गए तीन बच्चे डूबे

गहरे पानी में उतर गए थे; ग्रामीणों ने निकाले तीनों के शव

सतना (एजेंसी)। सतना जिले के धारकुंडी थाना क्षेत्र में शनिवार को अमुआ बांध में नहाने गए तीन आदिवासी बच्चे गहरे पानी में डूब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और आधे घंटे के भीतर तीनों के शव बाहर निकाल लिए। बच्चों के डूबने की खबर मिलते ही मझगवां तहसीलदार सोमेश द्विवेदी और धारकुंडी थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजन को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

तहसीलदार ने मौके पर ही रेडक्रॉस के जरिए मृतकों के परिजन को 25-25 हजार रुपए की सहायता राशि दी।

एक ही गांव के थे तीनों बच्चे- बच्चों की पहचान अभिजीत पुत्र अजीत कोल (6), अभी पुत्र कल्लू कोल (5) और कृष्णा पुत्र नंदू कोल (5) के रूप में हुई है। तीनों बच्चे पास के गांव कंदैला के रहने वाले थे। पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

4 बच्चे बांध में नहाने गए थे- टीआई शैलेंद्र सिंह ने बताया कि 4 बच्चे बांध में नहाने गए थे। सभी हमउम्र थे।

इनमें से एक बांध की मेढ़ पर बैठ गया और बाकी तीनों नहाने के लिए पानी में उतर गए। जब उसके दोस्त डूबने लगे तो मेढ़ पर बैठा बच्चा 2 किलोमीटर दूर गांव बताने चला गया। ज्यादा समय तक डूबे रहने से तीनों की मौत हो गई।

आतंकी हमले के विरोध में एमपी के कई जिले बंद

अनोखा तीर, भोपाल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध मध्यप्रदेश में जारी है। इंदौर में कांग्रेस ने बंद का आव्हान किया था, लेकिन ज्यादातर प्रतिष्ठान खुले रहे। व्यापारियों का कहना है कि हम आतंकी हमले की घटना से दुखी हैं, लेकिन कांग्रेस हिंदू विरोधी है इसलिए पूरे क्षेत्र की दुकान खुली रखी गई हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि गुस्सा इतना आ रहा है कि अगर हम सरकार में होते तो पाकिस्तान को बताते। दो-तीन दिन से गुस्सा चढ़ी है, इसलिए हमने अपने एक कुत्ते का नाम पाकिस्तान रख दिया है।

इधर, भोपाल में शनिवार को आतंकी हमले के विरोध में आधे दिन बाजार बंद रखे गए। दोपहर 2 बजे के बाद दुकानें खुलना शुरू हुईं। रायसेन, रतलाम और छतरपुर में भी व्यापारियों ने बंद का समर्थन किया है।बंद से इमरजेंसी मेडिकल सेवा को बाहर रखा गया है।

भोपाल में प्रधानमंत्री रोजगार मेले में पहुंचे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज

● **51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र, पीएम ने किया वर्चुअली संबोधित**

अनोखा तीर, भोपाल।

भोपाल के समन्वय भवन में शनिवार को प्रधानमंत्री रोजगार मेला आयोजित हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारी नौकरियों में चयनित अभ्यार्थियों को वर्चुअली संबोधित किया। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। यह मेला आज देश के 47 स्थानों पर आयोजित हो रहा है। जिसमें प्रयागराज, लखनऊ, चेन्नई समेत कई स्थान शामिल है। इसके तहत सरकारी नौकरियों में चयनित 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे जा रहे हैं।

कार्यक्रम में राज्य मंत्री कृष्णा गौर, मंत्री करण सिंह वर्मा, महापौर मालती राय समेत कई नेता मौजूद रहे। भोपाल में हुए कार्यक्रम में 200 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

51 हजार युवाओं को दिए नियुक्ति पत्र- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि देश के अलग-अलग विभागों में 51 हजार से ज्यादा युवाओं को पक्की नौकरियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी युवा देश की आंतरिक सुरक्षा, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और श्रमिकों के लाभ के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप इंडिया और स्टील इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए सरकार युवाओं को रोजगार के नए अवसर दे रही है। आज भारत में सबसे ज्यादा रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन हो रहे हैं और देश डेटा साइंस और इनोवेशन में आगे बढ़ रहा है।

देश में 90 लाख से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास जोर दिया। उन्होंने बताया कि अब देश में 90 लाख से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप हैं और 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं इससे जुड़ी हैं। सरकार ने इन समूहों को 20 लाख रुपए तक का लोन बिना गारंटी देने का प्रावधान किया है।

उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना का सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को मिला है। आज देश में 50 हजार से ज्यादा स्टार्टअप में महिलाएं निदेशक के रूप में काम कर रही हैं, जिससे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अंत में कहा, आप सभी ने यह पद अपनी मेहनत और लगन से पाया है, अब देश के विकास में आपकी भूमिका बेहद अहम है।

रीवा में ट्रेन पर चढ़ते हुए फिसले एएसआई की मौत

रीवा (एजेंसी)।

रीवा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में बैठते समय पैर फिसलने से एसआई नरेश प्रसाद मिश्रा की मौत हो गई। वह रीवा से भोपाल जाने वाली रेवांचल एक्सप्रेस में बैठने रीवा स्टेशन पहुंचे थे। सभी यात्री ट्रेन में बैठ चुके थे, जल्दी बाजी में एसएसआई भी ट्रेन में बैठने लगे। इतने में पैर फिसलने की वजह से वे गिर पड़े और ट्रेन के नीचे आ गए।

उनके सिर पर गंभीर चोट आ गई। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना शुक्रवार रात 8 बजे की है। शनिवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया।

बताया गया कि नरेश प्रसाद मिश्रा (62) एक माह के बाद पुलिस विभाग से रिटायर होने वाले थे, जो भोपाल में पदस्थ थे। वह मूल रूप से रीवा के मनगवां के रहने वाले थे। कुछ दिन की छुट्टियों के बाद वापस थाने में ज्वाइनिंग के लिए जा रहे थे लेकिन अचानक हादसा हो गया।

जीआरपी थाना प्रभारी आरएस ठक्कर ने बताया कि ट्रेन में बैठने के दौरान हादसा हुआ था। पूरे मामले में शनिवार दोपहर मृतक का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आतंकवाद के ताबूत पर भारत अंतिम कील ठोकेगा : विष्णुदत्त शर्मा

● **संगठन में अनुशासनहीनता का कोई स्थान नहीं, लव जिहाद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा**

अनोखा तीर, भोपाल।

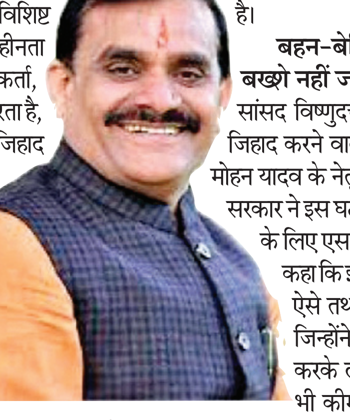

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि संपर्क व संवाद भारतीय जनता पार्टी की विशिष्ट कार्यपद्धति है। हमारे संगठन में अनुशासनहीनता का कोई स्थान नहीं है, अगर कोई कार्यकर्ता, पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि ऐसा प्रयास करता है, तो उस पर तत्काल कार्यवाही होती है। लव जिहाद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो नजीर बनेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद के ताबूत पर अंतिम कील ठोकेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि पार्टी अपनी कार्यपद्धति के तहत समय-समय पर अनुशासनहीनता करने वालों से चर्चा करती है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को पार्टी के दो महापौर व दो विधायक प्रदीप पटेल व प्रीतम सिंह लोधी से बातचीत हुई है। प्रीतम सिंह लोधी बाहर होने के कारण नहीं आ पाये, बाद में आएंगे। बीना की नगरपालिका अध्यक्ष, देवास की महापौर से बात हुई है और सागर की महापौर आज नहीं पहुंची हैं उन्हें पार्टी नोटिस जारी कर रही है।

बहन-बेटियों को गुमराह करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भोपाल में लव जिहाद करने वाली गैंग को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। उन्होंने कहा कि इस घटना की गहराई में जाएंगे, जो ऐसे तथाकथित समाज विरोधी लोग हैं। जिन्होंने हमारी बहन-बेटियों को गुमराह करके लव जिहाद किया है, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रकरण से जुडे एक-एक अपराधी जहां भी होंगे वह बचेंगे नहीं और उनके खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी कि उन्हें भी पता चलेगा कि ऐसा करने का अंजाम क्या होता है।

आतंकवाद के प्रश्रयदाताओं को मिलेगा करारा जवाब

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश में रह रहे लगभग 220 पाकिस्तानी नागरिकों को ढूंढ–ढूंढ कर निकाला जा रहा है। कुछ अवैध तौर पर रह रहे हैं, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। देश की 140 करोड़ जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी साथ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कश्मीर में आतंकवाद के प्रश्रयदाताओं को करारा जवाब दिया जाएगा। भारत आतंकवाद के ताबूत पर अंतिम कील ठोकेगा। श्री शर्मा ने कहा कि देश में नक्सलवाद समाप्त हो गया है, अब कश्मीर में प्रायोजित आतंकवाद भी पूरी तरह से समाप्त होगा। केंद्र सरकार करारा जवाब देने के लिए हर तरह से तैयार है।

खुशियों की दास्तां...

ट्रेक्टर व कृषि यंत्र के व्यवसाय से जुड़कर मंजिता बनी लखपति दीदी

अनोखा तीर, हरदा। जिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लखपति दीदी की अवधारणा साकार हो रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिला स्वसहायता समूह से जुड़कर जिले के खिरकिया विकासखंड के ग्राम मोरगढ़ी निवासी श्रीमती मंजिता सिलारे लखपति दीदी की श्रेणी में शामिल होकर बहुत खुश हैं। श्रीमती सिलारे ने बताया

कि आजीविका मिशन की मदद से 10.50 लाख रुपए का ट्रेक्टर, सीड ड्रिल, कल्टीवेटर, प्लाऊ उनके सांईराम आजीविका समूह को मिला। आसपास के गांवों के अनेक किसान उनसे ये कृषि यंत्र व ट्रेक्टर किराये पर ले जाते हैं और अपने खेतों में चलाकर वापस कर देते हैं। इस व्यवसाय से समूह की सभी महिलाओं को काफी बचत हो जाती है। ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक रामनिवास कालेश्वर ने बताया कि श्रीमती मंजिता सिलारे की तरह जिले की अन्य महिलाएं भी ट्रेक्टर व कृषि यंत्र किराये पर देकर आत्मनिर्भर बनी हैं और लखपति दीदी बनकर बहुत खुश हैं।

ग्राम दुंगालिया घाटी पर विराजे खेड़ापति हनुमान

अनोखा तीर, सिराली। शनिवार को मकड़ाई मार्ग पर स्थित ग्राम दुंगालिया घाटी पर श्री हनुमान जी की प्राचीन प्रतिमा की मढैया में पुर्नस्थापना की गई। विश्व हिंदू परिषद प्रतिनिधि चंद्रशेखर जोशी ने बताया कि ग्राम वासियों के द्वारा मड़िया में हनुमान जी की प्राचीन प्रतिमा की पुर्नस्थापना की गई है। मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ यहां शीतला माता और भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा की भी प्राण-प्रतिष्ठा की गई है। ग्रामीण

देवकरण, मुन्नालाल, हरिराम, साबुलाल ने बताया कि ग्राम वासियों की आस्था का केंद्र यह मंदिर खेड़ापति हनुमान जी के नाम से जाना जाएगा। वहीं वैवाहिक कार्यक्रमों के दौरान माता पूजन के लिए भी ग्रामीणों को यहां सुविधा हो सकेगी। नगर परिषद प्रतिनिधि कैलाश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि आगामी समय में जन सहयोग से मंदिर को भव्य स्वरूप दिया जाएगा।

अशासकीय स्कूलों में ऑनलाइन निःशुल्क प्रवेश प्रक्रिया 5 मई से होगी

अनोखा तीर, हरदा। प्रदेश में नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की कार्यवाही पारदर्शी तरीके से की जाएगी। इसके लिए कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के नि:शुल्क प्रवेश की प्रक्रिया का टाइम टेबल घोषित कर दिया गया है। शिक्षण सत्र 2025-26 में 5 मई से प्रवेश प्रक्रिया की कार्यवाही शुरू की जा रही है। इस संबंध में राज्य शिक्षा केन्द्र ने जिला कलेक्टर्स और जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश जारी किये हैं। जारी कैलेंडर के अनुसार 5 मई 2025 को नि:शुल्क प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूल एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट का पोर्टल पर प्रदर्शन होगा। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन एवं त्रुटि-सुधार का कार्य 7 मई से 21 मई तक किया जाएगा। आवेदन के बाद सत्यापन का कार्य शासकीय जन-शिक्षा केन्द्र में 7 मई से 23 मई तक होगा। रेंडम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी द्वारा स्कूल का आवंटन एवं चयनित आवेदकों को एसएमएस द्वारा सूचना 29 मई तक की जाएगी। आवंटन के बाद अशासकीय स्कूल में प्रवेश के लिए उपस्थिति और स्कूल द्वारा मोबाइल ऐप के माध्यम से एडमिशन रिपोर्टिंग का कार्य 2 से 10 जून तक किया जाएगा। आवेदक अपने ग्राम, वार्ड तथा विस्तारित पड़ोस के गैर-अनुदान मान्यता प्राप्त प्रायवेट स्कूलों में पोर्टल पर कक्षावार प्रदर्शित स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए आवेदन दर्ज करा सकेंगे। निर्धारित सत्यापन केन्द्र (शासकीय जन-शिक्षा केन्द्र) में मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराया जाना अनिवार्य है। प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी एजुकेशन पोर्टल पर भी प्रदर्शित की गई है। इससे जुड़ी जानकारी संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से भी प्राप्त की जा सकती है। प्रवेश प्रक्रिया में कक्षावार निर्धारित आयु की भी जानकारी दी गई है। नर्सरी में न्यूनतम आयु 3 वर्ष एवं अधिकतम आयु 4 वर्ष 6 माह, केजी-1 में न्यूनतम आयु 4 वर्ष एवं अधिकतम आयु 5 वर्ष 6 माह, केजी-2 में न्यूनतम आयु 5 वर्ष एवं अधिकतम आयु 6 वर्ष 6 माह, कक्षा-1 में न्यूनतम आयु 6 वर्ष एवं अधिकतम आयु 7 वर्ष 6 माह निर्धारित की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग ने निर्धारित तय समय-सीमा में प्रक्रिया पूरा करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं।

बदला मौसम का मिज़ाज, बादलों से बढ़ी उमस

● सुबह हुई हल्की बारिश, दोपहर में बुंदाबांदी

अनोखा तीर, मसनगांव।

वैशाख के महीने में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदला नजर आया। शनिवार की सुबह 5 बजे तेज गर्जना और बिजली की चमक के साथ हल्की बारिश हुई। दोपहर में 2 बजे तक बादल छाने से बुंदाबांदी होती रही और इसके बाद धूप निकल आई। आसमान पर बादल छाने से उमस के कारण लोग परेशान रहे, वहीं बादलों के कारण धूप से भले ही राहत मिली पर गर्मी और उमस बरकरार रही। दोपहर के बाद मौसम साफ होते ही धूप निकल आई। बे मौसम बारिश से किसानों को सुबह से उठकर खेतों में भागना पड़ा। क्योंकि खेतों में चल रही मोटर के स्टाटर और बायर खुले पड़े होने से उन्हें ढकने के लिए खेत में जाना पड़ा। जिन खेतों में मूंग की फसल में पानी चल रहा था, वह भी मोटर पंप बंद कर घर आ गए। ग्राम के किसान गौरव भायरे ने बताया कि सुबह बिजली की तेज चमक के कारण मजदूर वर्ग अपने घर आ गए, वहीं

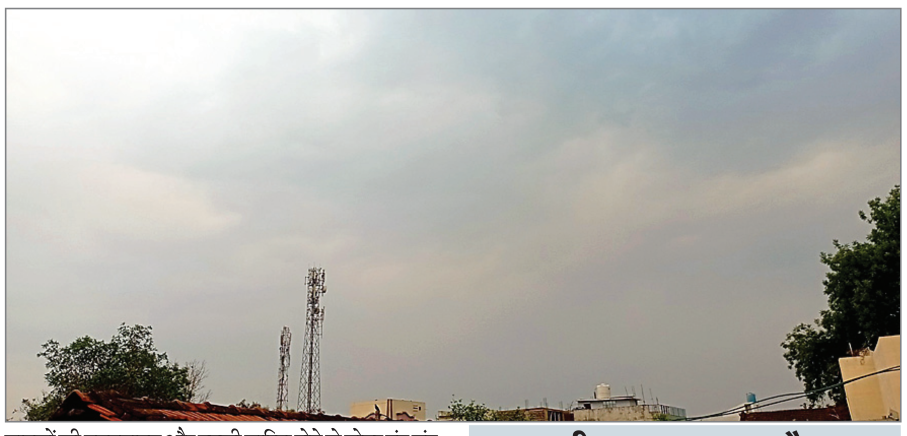

बादलों की गढ़गढ़ाहट और हल्की बारिश होने से मोटर पंप बंद करना पड़ा। मौसम के असर से खेतों में खड़ी हुई मूंग की फसल में इल्ली लगने की आशंका से कई किसानों ने शाम के समय खेतों में रासायनिक दवाइयां का स्प्रे किया। ग्राम के ही किसान नारायण देवासिया ने बताया कि गर्मी के कारण फसल में बीमारियों लगने की संभावना बनी रहती है। ऐसे में फसल को बचाने के लिए अतिरिक्त दवा का स्प्रे करना पड़ रहा है।

दूसरी बार खराब हुआ मौसम

वैशाख के महीने में दूसरी बार मौसम का मिजाज बदला नजर आया। किसानों का मानना है कि वैशाख में मौसम खराब होने से इसका असर मानसून की गतिविधियों पर पड़ता है। इस साल भी रवि सीजन की फसल कटाई के बाद से ही कई बार मौसम में परिवर्तन होने से मानसून लेटलतीफ हो जाती है। जिससे खरीफ सीजन की फसल पर असर पड़ता है। वैसे इस समय कहीं खेतों में मूंग की फसल फूल और फली पर चल रही है। यदि अधिक समय तक मौसम खराब रहता है तो फसल के फूल खराब हो सकते हैं, वही इल्ली का अटैक भी बढ़ सकता है। जिसे लेकर किसान खेतों में जाकर सुबह-शाम निगरानी कर रहे हैं।

बंद रही बिजली गर्मी और उमस से हलकान हुए ग्रामीण

बादल और बिजली के चमक के कारण कांकरियां सब स्टेशन से मिलने वाली बिजली सुबह 7 बजे से लेकर 10 बजे तक बंद रही। वहीं दोपहर में भी बिजली बंद रहने से ग्रामीणों को गर्मी और उमस के कारण परेशान होना पड़ा। विभाग द्वारा हवा-आंधी और बारिश के मौसम को देखकर 33 केवी बिजली को बंद कर दिया जाता है। विद्युत वितरण कंपनी के कर्मचारी सुनील कड़ोले ने बताया कि हवा-आंधी के कारण लाइन में फाल्ट आ जाता है। जिससे बिजली कई घंटे तक बंद रहती है। इसलिए मौसम के मिजाज को देखते हुए हरदा से ही बिजली बंद कर दी जाती है।

सात आतंकियों के घरों को 'ब्लास्ट' कर उड़ाया

● पहलगाम के गुनहगारों के लिए कहर बन गए सुरक्षाबल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पाहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या के बाद सुरक्षाबलों ने शुक्रवार रात को बड़ी कार्रवाई करते हुए लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े सात आतंकियों के घरों को ध्वस्त कर दिया है। यह अभियान दक्षिण कश्मीर के शोपियां, कुलगाम और पुलवामा जिलों में चलाया गया। शोपियां के छोटीपोरा गांव में लश्कर कमांडर शाहिद अहमद कुट्टे का घर मलबे में तब्दील कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, कुट्टे पिछले 3-4 वर्षों से आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय था और कई हमलों का समन्वयक रहा है। वहीं, कुलगाम के मतलाम इलाके में सक्रिय आतंकी जाहिद अहमद का घर भी ढहा दिया गया। पुलवामा के मुर्रन क्षेत्र में आतंकी अहसन उल हक का घर विस्फोट से उड़ाया गया। अहसन ने 2018 में पाकिस्तान में आतंकी प्रशिक्षण लिया था और हाल ही में घाटी में फिर से सक्रिय हुआ था। इसके अलावा, लश्कर आतंकी एहसान अहमद शेख का दो मंजिला मकान भी ध्वस्त कर दिया गया, जो जून 2023 से सक्रिय है। हैरिस अहमद के घर को भी उड़ा दिया गया। वह 2023 से आतंक में लिप्त है। पुलवामा के कचिपोरा स्थित घर को विस्फोट से उड़ाया गया। इससे पहले गुरुवार रात को पहलगाम हमले में शामिल अदिल हुसैन और आसिफ शेख के घर भी विस्फोट से नष्ट किए गए।

सुरक्षाबलों के ऑपरेशन का लाइव टेलीकास्ट न करे मीडिया

पहलगाम हमले के बाद मोदी सरकार ने की एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने शनिवार को मीडिया आउटलेट्स से सेना के ऑपरेशन्स और सुरक्षा बलों की आवाजाही का लाइव टेलीकास्ट न करने का निर्देश दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि ऐसी रिपोर्टिंग से अनजाने में दुश्मनों को मदद मिल सकती है। यह सलाह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद रक्षा मामलों पर रिपोर्टिंग के मद्देनजर जारी की गई है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। सरकार ने कहा अगर कोई चैनल केबल टीवी नेटवर्क अमेंडमेंट एक्ट 2021 के नियमों का उल्लंघन करता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। इधर, भारतीय रेलवे ने भी कश्मीर में तैनात गैर-कश्मीरी कर्मचारियों के लिए एडवाइजरी जारी की है, जिसमें कहा है कि कोई गैर कश्मीरी कर्मचारी अकेले बाहर न जाए।

10 मई को होगा लोक अदालत का आयोजन

● बिजली चोरी एवं अन्य अनियमितताओं के प्रकरण में होंगे समझौते

अनोखा तीर, हरदा। प्रदेश में 10 मई शनिवार को नेशनल लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को ही प्रकरणों में छूट दी जाएगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

प्री-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

लोक अदालत में छूट शर्तों के तहत दी जाएगी

आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आंकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपयोगकर्ता को विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन के विरूद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा।

आवेदक के नाम पर कोई वैध कनेक्शन न होने की स्थिति में छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक द्वारा वैध कनेक्शन प्राप्त करना एवं पूर्व में विच्छेदित कनेक्शनों के विरूद्ध बकाया राशि यदि कोई हो का पूर्ण भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा।

पहलगाम हमले के बाद गुजरात में बड़ा ऐक्शन

एक हजार से ज्यादा बांग्लादेशी किए गए गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद गुजरात में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों और बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए आज पुलिस का बड़ा ऐक्शन देखने को मिला। गुजरात पुलिस ने शुक्रवार आधी रात को एक बड़ी कार्रवाई के दौरान अहमदाबाद और सूरत शहरों से महज कुछ घंटों में ही 500 से ज्यादा विदेशियों को हिरासत में लिया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के डीसीपी अजीत राजयान ने बताया कि शनिवार सुबह 3.00 बजे से अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने एसओजी, ईओडब्ल्यू, जोन 6 और मुख्यालय की टीमों के साथ मिलकर अहमदाबाद शहर में अवैध रूप से रह रहे विदेशी प्रवासियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया था। इस अभियान के दौरान 400 से अधिक संदिग्ध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया है।

नूंह में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर दर्दनाक हादसा, 7 मरे

● सफाई कर्मियों की गई जान, 4 गंभीर रूप से घायल

फरीदाबाद (एजेंसी)। गुरुग्राम के सटे हरियाणा के ही नूंह जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस घटना में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हो गए। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, नूंह के थाना फिरोजपुर झिरका सीमा के गांव इब्राहिमवास के पास आज सुबह करीब 10 बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक बेकाबू पिकअप गाड़ी ने सफाई कर रहे 11 सफाई कर्मचारियों को रौंद डाला। इस दर्दनाक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल चार लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। वहीं, मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। मरने वालों में 6 महिलाएं हैं।

हाईवे पर बिखरे थे लाशों के टुकड़े- बताया जा रहा है कि आज सुबह करीब 10 बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सफाई कर्मचारी सफाई का काम कर रहे थे। इसी बीच, एक तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने इन कर्मचारियों को रौंद डाला। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि छह कर्मचारियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी।

रक्त और पानी एक साथ नहीं बह सकते

● भारत ने सिंधु समझौते पर यूं ही नहीं लगाया ब्रेक, एक दशक की है तैयारी! ● सिंधु समझौता को ठंडे बस्ते में डालने के प्रति बहुत गंभीर है मोदी सरकार ● करीब एक दशक से हो रहा है इस पर काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पहलगाम आतंकी हमला के बाद जब से सिंधु समझौते को निलंबित करने की घोषणा की है, तभी से कुछ लोग यह आशंका जता रहे हैं कि क्या यह इतना आसान है। क्योंकि, उनके दिमाग में एक ही बात बैठी है कि यह अंतरराष्ट्रीय समझौते का हिस्सा है, जिसमें वर्ल्ड बैंक ने मध्यस्थता की हुई है। कुछ लोग यह भी दलील दे रहें कि पता नहीं, इसमें कितना समय लगेगा। लेकिन, शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक से ही यह संकेत मिल गया है कि सरकार ने जो कहा है, वह हल्के में नहीं कहा है। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने तत्काल ही बता दिया कि एक भी बूंद पानी नहीं जाने दिया जाएगा।

● **खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता-** उन्होंने यह भी कहा कि लोग सोच रहे हैं कि पाकिस्तान के हक में हुए सिंधु समझौते से निकलने के बारे में भारत ने अभी और अचानक सोचा है। उनका कहना है कि पाकिस्तान भी अभी तक इसी कंफ्यूजन में जी रहा है लेकिन, सच्चाई बिल्कुल अलग है और इसपर काम बहुत पहले से चल रहा है। उनके मुताबिक, मोदी जी ने पहले भी पठानकोट (हमले) के समय कहा था कि 'खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता'..तो उस वक्त से भारत तैयारी कर रहा है। ऐसा नहीं है कि यह अचानक हो रहा है...इस बार बहुत गंभीरता के साथ है और पाकिस्तान ये जानता है....भारत जब एक साथ खड़ा होता है और उसने यह शक्ति अर्जित की हुई है।

बहुत सारी संधियों पर दोबारा विचार हुए हैं

सिंधु जल संधि को रोकने के भारत के फैसले के बारे में जल शक्ति मंत्री ने साफ किया कि वह तुरंत रोकना चाहते हैं। वह पानी को तत्काल रोकना चाहते हैं, ताकि यह लंबे समय का प्रोजेक्ट ना लगे और पाकिस्तान पर इसका असर अभी से पड़ने लगे। ये सवाल बहुत उठ रहे हैं कि भारत अपने दम पर कैसे कर सकता है, इसमें तो वर्ल्ड बैंक है...लिहाजा इसको एक तरफा नहीं किया जा सकता। लेकिन, भारत इसके सभी कानूनी पहलुओं को देख रहा है, जो कि संभव है, क्योंकि बहुत सारी जगहों पर समझौतों के बाद विवाद हुए हैं।

परशुराम कल्याण बोर्ड मप्र के जिला प्रभारी बने आचार्य ओमप्रकाश पुरोहित

अनोखा तीर, हरदा। सर्व ब्राह्मण समाज संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं जिला ज्योतिष परिषद के मार्गदर्शक मंडल सदस्य, राष्ट्रीय युवजन ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष आचार्य ओमप्रकाश पुरोहित को परशुराम कल्याण बोर्ड मप्र का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। परशुराम कल्याण बोर्ड मप्र के अध्यक्ष पं. विष्णु राजोरिया ने उन्हें बोर्ड की गतिविधियों में सहभागिता के उद्देश्य से जिला प्रभारी नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर सर्व ब्राह्मण समाज के संरक्षक चंद्रकांत शुक्ला, राजेश पाराशर, अध्यक्ष सुनील तिवारी, उपाध्यक्ष रोहित तिवारी, संदीप स्वामी, महामंत्री लोकेश शर्मा, उत्तम तेनगुरिया, संयोजक प्रदीप पटेल, नितेश बादर सहित समाजजनों ने उन्हें बधाई दी।

सार-समाचार

स्वच्छता ही सेवा अभियान...

न्यायालय परिसर में की साफ-सफाई

अनोखा तीर, हरदा। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जिला न्यायालय परिसर में शनिवार को प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में साफ-सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी न्यायाधीशगण, जिला अधिवक्ता संघ के अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, न्यायालयीन कर्मचारियों, पैरालीगल

वॉलेंटियर्स ने भागीदारी कर न्यायालय परिसर की साफ-सफाई की। कार्यक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती शर्मा ने उपस्थित गणमान्यजन से न्यायालय परिसर एवं अपने कार्यस्थल को साफ सुधरा रखने की अपील की। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुधीर कुमार चौधरी, विशेष न्यायाधीश जयदीप सिंह, तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश निसार अहमद खान, प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश तनवीर अहमद खान, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश निमिष राजा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लवकेश सिंह, न्यायिक मजिस्टेऊट प्रथम श्रेणी प्रेमदीप सिंह, संजीव राहंगडाले, सुश्री काजल सिंह पटेल, जिला विधिक सहायता अधिकारी, जिला अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष चंदन सिंह सहित अन्य अधिवक्तागण, न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित थे।

20 घंटे बाद मिला नहर में डुबे युवक का शव

अनोखा तीर, हरदा। महाराष्ट्र के सोलापुर निवासी 48 वर्षीय कारोबारी इस्माइल इब्राहिम मुल्ला का शव शनिवार सुबह लगभग 8 बजे नहर में मिला। वह शुक्रवार दोपहर नहाते समय लापता हुए थे। उनका शव घटनास्थल से करीब 20 किमी. दूर जुगरिया माइनर में एक खेत के पास लगे पानी के पंप के निकट मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार इस्माइल अपने तीन

दोस्तों के साथ स्विफ्ट कार से भोपाल में जमीन का सौदा करने गए थे। वापसी में हरदा में एक रिश्तेदार से मिलना था। इस दौरान ग्राम छिदगांव मेल और टिमरनी के बीच बड़ी नहर के पास वे फ्रेश होने रुके। गर्मी के कारण इस्माइल नहाने चले गए। उनके साथी बहाव खान ने बताया कि जब वे वापस आए तो इस्माइल के कपड़े और चप्पल तो मिले, लेकिन वह नहीं मिले। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। एसडीईआरएफ और होमगार्ड के 12 जवानों ने दोपहर 1.30 बजे से तलाश शुरू की। पुलिस, एसडीईआरएफ और होमगार्ड के जवानों ने रात 8 बजे तक नहर में खोजबीन की। अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया। शनिवार सुबह फिर से तलाश शुरू की गई। पुलिस के अनुसार तेज बहाव के कारण शव मुख्य नहर से जुगरिया माइनर में बह गया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

हिंडोलनाथ की चमत्कारी पहाड़ी, जहां प्रातः 4 बजे पत्थरों पर उभरते हैं सिन्दूरी त्रिशूल

अनोखा तीर, हंडिया। पुण्य सलिला मां नर्मदा के दक्षिण तट पर पहाड़ी के ऊपर हिंडोलनाथ बाबा का चमत्कारी स्थान स्थित है। जहां सदियों से पत्थरों के ऊपर प्रात: 4 बजे शुद्ध घी से निर्मित सिन्दूरी त्रिशूल उभरते हैं। लोगों का कहना है कि पता नहीं कौनसी अदृश्य शक्ति है जो सिन्दूरी त्रिशूल को प्रकट करती है। हम बात कर रहे हैं हंडिया नर्मदा किनारे

चमत्कारी पहाड़ी की। जिसे हिंडोलनाथ बाबा की पहाड़ी के नाम से जाना जाता है। बताया जाता है कि हिंडोलनाथ बाबा नाथ सम्प्रदाय के महापुरुष थे। हमेशा मां नर्मदा की सेवा में लगे रहने के बाद वह पहाड़ी में स्थित गुफा में तपस्या रत रहते हैं। संबंध में नेमावर सिद्धोदय बड़े बाबा आश्रम के संत रामस्वरूप दासजी शास्त्री बताते हैं कि मां नर्मदा के तटों परअनेक ऐसे अनेक महापुरुष सन्त हुऐ हैं जो तप करते थे। उन्हीं संतो में से हिंडोलनाथ बाबा भी प्रतिदिन रिद्धेशवर मन्दिर तथा सिद्धनाथ मन्दिर के दर्शन के पश्चात बापस अपनी पहाड़ी पर में तपस्यारत रहते हैं। स्थानीय नागरिकों द्वारा हंडिया के एतिहासिक स्थलों को भी पर्यटन में शामिल करने की मांग की जा रही है। उनका कहना है कि नर्मदा के किनारे पर स्थित सभी धार्मिक व एतिहासिक स्थलों को प्रदेश सरकार पर्यटन क्षेत्र में शामिल करें, जिससे यहां शैलानियों की तादाद बढें।

ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को मिलेगा मात्र 5 रुपए में नवीन विद्युत कनेक्शन

अनोखा तीर, हरदा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को अब मात्र 5 रुपए में नवीन घरेलू कनेक्शन उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। कंपनी ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले उपभोक्ताओं को अब केवल 5 रुपए में नवीन विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह नया घरेलू कनेक्शन उन लोगों को मिलेगा जो कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के घरेलू फीडर से नियमानुसार कनेक्शन लेने की पात्रता रखते हैं। कंपनी ने बताया कि इसके लिए ग्रामीणजन नवीन कनेक्शन के लिए आवेदन सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं। कंपनी की वेबसाइट पर जाकर न्यू कनेक्शन चुनें। इसके बाद एलटी न्यू कनेक्शन टैब में सरल संयोजन को चुनें और आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। इसके अलावा पोर्टल पर जाकर भी 5 रुपए में नए कनेक्शन के लिए आवेदन किया जा सकता है।

मृदा उर्वरकता परीक्षण का किया प्रदर्शन

- 5 मिनट में ही 12 प्रमुख तत्वों सहित पीएच, ईसी एवं मृदा में उपस्थित कार्बनिक पदार्थ की लग सकेगी जानकारी

अनोखा तीर, हरदा। जिले की मृदा उर्वरकता में हो रही कमी के कारण मिशन हैप्पी हरदा के अंतर्गत डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय एवं सत्यशिव फॉर्म पानतलाई के साथ मिलकर मृदा उत्पादकता बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में इसरो के वैज्ञानिक डॉ. मधुकांत पटेल एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के वैज्ञानिक डॉ. रफीक खान द्वारा ग्राम पानतलाई में मृदा में सुधार के उद्देश्य से बैठक रखी गई। जिसमें इसरो के वैज्ञानिक द्वारा सेंसर के माध्यम से मृदा की उर्वरकता परीक्षण का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में जवाहरलाल कासदे उपसंचालक कृषि जिला हरदा भी उपस्थित थे। डॉ. पटेल ने बताया कि इस उपकरण के माध्यम से 5 मिनट में पौधों के लिए आवश्यक 12 प्रमुख तत्वों के साथ-साथ पीएच, ईसी एवं मृदा में उपस्थित कार्बनिक पदार्थ की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। उपसंचालक कृषि श्री कासदे ने बताया कि यह उपकरण जिले के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि इसमें कभी भी खेत का मृदा एवं जल प्रशिक्षण किया जा सकता है। रामन क्षेत्रीय संसाधन के उमेश शर्मा द्वारा बताया गया कि विश्वविद्यालय जिले में नई किस्म की विकास के साथ-साथ मृदा उर्वरकता को बढ़ाने का कार्य कर रहा है। इस कार्यक्रम में रावे के विद्यार्थियों द्वारा जो कार्य किया जा रहे है, उन्हें मृदा सेनानी के नाम से संबोधन किया जाता है।

हरदा में सिंचाई परियोजना का विस्तार

- खिरकिया के 118 गांवों को मिलेगा पानी, 720 करोड़ की लागत से होगा काम

अनोखा तीर, हरदा। जिले में शहीद इलापसिंह माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का विस्तार किया जाएगा। इस परियोजना में खिरकिया तहसील के चौकड़ी और लोध्याखेड़ी सहित 25 नए गांव जोड़े जाएंगे। 720 करोड़ रुपए की इस परियोजना के तहत 118 गांवों के किसानों के खेतों तक पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इससे हरदा जिले में शत-प्रतिशत सिंचाई का लक्ष्य पूरा होगा।

यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इस परियोजना को आगे बढ़ाया है। पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल ने अपने गृह ग्राम बारंगा में नए गांवों को शामिल करने के लिए अधिकारियों से विचार-विमर्श किया। खिरकिया मंडल अध्यक्ष संजय यादव सहित भाजपा के अन्य नेताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। इनमें ज्ञानीराम महाजन, द्वारकाप्रसाद गौर, दीपक गारू, राजेश गुप्ता, उमेश गीते, उत्तम तिवारी, राजकुमार कड़वाल, जीतू गुर्जर, महेंद्र शर्मा और गौरव उपस्थित थे।

वर-वधु की उम्र की पुष्टि करके ही विवाहों में अपनी सेवाएं दें

- कलेक्टर ने बाल विवाहों पर रोक लगाने सेवा प्रदाताओं से की अपील

अनोखा तीर, हरदा। आगामी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर बड़ी संख्या में विवाह होने की संभावना है। इस दौरान बाल विवाह न हो, इसके लिए कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शादी विवाहों में सेवाएं देने वाले सभी सेवा प्रदाताओं जैसे कि शादी की पत्रिका छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस संचालक, हलवाई, केटरर, घोड़ी वाले, धर्मगुरू, वाहन वाले, बैंड वाले, मैरिज गार्डन वाले, ब्यूटी पार्लर संचालकों से अपील की है कि वर वधू की उम्र उनके स्कूल की मार्कशीट या जन्म प्रमाण पत्र में देखकर ही अपनी सेवा दें, क्योंकि बाल विवाह अपराध है। कलेक्टर श्री जैन ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की बालिका एवं 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह, बाल विवाह की श्रेणी में आता हैं, जो अपराध है। उन्होने बताया कि बाल विवाह होने पर एक तरफ बालक-बालिका की शिक्षा पर अंकुश लग जाता है, वहीं दूसरी ओर बालिका के गर्भ धारण कर लेने से जान जाने का खतरा भी रहता है। इसके अलावा जन्म लेने वाले बच्चें भी कुपोषित होने की संभावना रहती हैं।

किससे कर सकते हैं शिकायत

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग संजय त्रिपाठी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में बाल विवाह की शिकायत समेकित बाल संरक्षण योजना अंतर्गत किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम के तहत् ग्राम स्तर पर गठित बाल संरक्षण समिति, जिसमें सरपंच, पंचायत सचिव, वार्ड पंच सभी, प्रधानाध्यापक स्थानीय शासकीय विद्यालय, संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की जा सकती है। शहरी क्षेत्र में बाल विवाह की शिकायत वार्ड स्तरीय बाल संरक्षण समिति, जिसमें पार्षद संबंधित वार्ड, पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास सचिव, प्राधानाध्यापक स्थानीय शासकीय विद्यालय, संबंधित क्षेत्र का थाना प्रभारी व स्वास्थ्य कार्यकर्ता को शिकायत की जा सकती है। इसके अलावा कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास हरदा, कार्यालय परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास परियोजना टिमरनी, खिरकिया, हरदा शहरी एवं हरदा ग्रामीण में भी शिकायत कर सकते हैं।

मेंटेनेंस के चलते बंद रहेगी बिजली

अनोखा तीर, हरदा। 33/11 के भी उपकेंद्र हरदा शहर से निर्गमित 11 केवी गुप्तेश्वर मंदिर और रेलवे फीडर पर अतिआवश्यक कार्य और मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। जिसके चलते आज 27 अप्रेल को सुबह 10 बजे से 2 बजे तक प्रदाय बंद रहेगा। बताया गया कि मेंटेनेंस होने के कारण फीडर से संबंधित कॉलोनी सिविल लाइन, अभिषेक ग्रीन वैली, मानपुरा, घंटाघर, इमलीपुरा, अवस्थी कंपाउंड, कुलहरदा आदि क्षेत्र की विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत वृद्धाश्रम में लगाया शिविर

अनोखा तीर, हरदा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति अभियान के तहत शनिवार को नगर के वृद्धाश्रम में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला पेंशनर्स एसोशिएसन के सदस्यगण ने भी सक्रिय सहभागीदारी की। शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्रशेखर राठौर ने नालसा नशा पीड़ितों को विधिक सेवाऐं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाऐं योजना के उपबंधों की जानकारी देते हुए बताया कि नशा मनुष्य के विनाश का कारण है। नशा आर्थिक, मानसिक और शारीरिक नुकसान करता है, इससे परिवार को भी शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। नशे की लत मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को प्रभावित करती है तथा सोचने-समझने की क्षमता कमजोर हो जाती है। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए माता-पिता एवं वरिष्ठ पोषण अधिनियम तो है ही, साथ ही धारा 125 दंड प्रक्रिया संहिता के अनुसार भी माता-पिता भरण पोषण के लिए यदि असमर्थ है तो अपनी संतान के खिलाफ भरण पोषण की मांग के लिए आवेदन न्यायालय में लगा सकते हैं। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के सचिव भागवत सिंह राजपूत, अध्यक्ष बलराम काले तथा पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित थे।

हेल्प लाईन नंबर	
सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	100
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

जिला और ब्लॉक स्तर पर ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 1 मई से शुरू

कलेक्टर ने खेल विभाग के अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

अनोखा तीर, हरदा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री जैन ने खो खो, हैंडबॉल एवं फुटबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ियों से परिचय कर उनको जिले के लिए अच्छा प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी। बैठक में कलेक्टर श्री जैन के निर्देशन में विकासखंड पर दो खेल एवं जिला स्तर पर चार खेलों का आयोजन किया जाना निर्धारित किया गया। बैठक में जिला खेल अधिकारी सुश्री उमा पटेल ने बताया कि प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन 1 से 30 मई तक सुबह 6 बजे से 7:30 तक एवं शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक किया जाएगा। विकासखंड खिरकिया में कराटे व एथलेटिक्स, विकासखंड टिमरनी में कबड्डी, मलखम एवं कराते का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा हरदा में फुटबॉल, खो खो, हैंडबॉल, शतरंज एथलेटिक्स, वालीबाल, कबड्डी व क्रिकेट आदि खेलों का आयोजन किया जाएगा। बैठक में जिला खेल अधिकारी सुश्री उमा पटेल के अलावा रामनिवास जाट, विक्रांत अग्रवाल, विकासखंड समन्वयक सलमा खान, खेल प्रशिक्षक विकाश पांडे, समन्वयक हीना अली, संदीप जाट, व्यायाम शिक्षक राजेश बिलिया भूपेंद्र सिंह तोमर, इमरान खान, आनंद तिवारी, अजय पुरबिया, प्रवीण बॉथम सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी व खेल प्रशिक्षक उपस्थित थे।

फ्लैट किराए से देना है

2BHK फ्लैट किराए से देना है।
109- समृद्धि होम पाठक कॉलोनी स्टेडियम के पास, हरदा
नौकरी पेशा को प्राथमिकता
संपर्क करें 9407554249 9009182950

शीघ्र बेचना है

कृषि योग्य सिंचित 7.28 एकड़ जमीन बेचना है।
➢दो कुआं ➢दो मोटर कनेक्शन
सिराली से खुदिया मेन रोड के मध्य, मेन रोड से 400 फीट पूर्व की ओर
संपर्क करें : उमेश सिंह कुशवाह
मोबाइल नं. 9826870379

संपादकीय

आतंक पर आर-पार की तैयारी...

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले का स्वरूप ऐसा है कि भारत सरकार के लिए इस मसले पर ठोस कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। इसलिए भारत ने इस बर्बर घटना के बाद सख्त कदम उठाते हुए अगर पाकिस्तान को साफ संदेश दिया है तो यह स्वाभाविक है। यह जगजाहिर हकीकत है कि भारत में आतंकवादी गतिविधियों के पीछे पाकिस्तान की क्या भूमिका रही है। इसलिए भारत के सामने अब एक तरह की मजबूरी आ खड़ी हुई है कि वह आतंकवाद और उसे शह देने वाले देश के खिलाफ नीतिगत स्तर पर कोई ठोस कदम उठाए।

इसी क्रम में गुरुवार को भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध कई कड़े कदम उठाने की घोषणा की। इनमें पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा पर पाबंदी, दूतावास में राजनयिक कर्मचारियों की संख्या में कटौती, अटारी-वाघा सीमा को बंद करना और सबसे अहम छह दशक पुरानी सिंधु जल संधि के क्रियान्वयन को निलंबित करना शामिल है।

जाहिर है, भारत की ओर से आतंक के विरुद्ध उठाए गए ये कदम पाकिस्तान को नागवार गुजरेंगे, लेकिन सच यह है कि लंबे समय से भारत में आतंकवाद की समस्या को और ज्यादा जटिल बनाने में पाकिस्तान की जो भूमिका रही है, उसने कई स्तर पर मुश्किलें खड़ी की हैं।

दूसरी ओर, आतंकवाद को बढ़ावा देने में अपने भूमिका पर शर्मिंदा होने के बजाय पाकिस्तान इस मसले पर आमतौर पर अपनी हठधर्मिता ही प्रदर्शित करता रहा है। इस बार भी जब भारत ने कुछ सख्ती दिखाई तो हकीकत स्वीकार करने के बजाय पाकिस्तान ने भी जवाबी

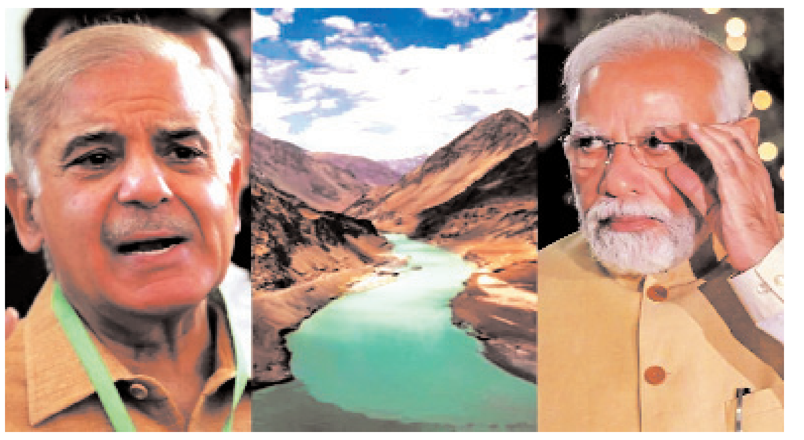

कार्रवाई के तौर पर भारत के साथ द्विपक्षीय शिमला समझौते को निलंबित करने, हवाई क्षेत्र और सीमाओं को बंद करने जैसे कुछ कदम उठाने की घोषणा कर दी। सवाल है कि ऐसा करके पाकिस्तान क्या साबित करना चाहता है। पहलगाम में आतंकी हमला आतंकवादियों के अपने एजंडे के लिए क्रूरता की हर हद को पार करने की मंशा का सबूत है। वरना क्या कारण है कि कश्मीर गए जिन पर्यटकों का उद्देश्य वहां घूमना-फिरना और प्रकृति के सौंदर्य के बीच खुशी के कुछ पल गुजारना था, उन्हें भी मार डालने में आतंकियों को कोई हिचक नहीं हुई।

इस हमले का एक सीधा असर जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ पर चोट भी है। सवाल है कि इस तरह की क्रूरता करके आतंकवादी किसके हित में काम कर रहे हैं। समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत सबूतों के साथ आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा करता रहा है। मगर पाकिस्तान हर बार इसे महज आरोप बताता है। जबकि भारतीय सीमा में घुसपैठ से लेकर आए दिन होने वाले आतंकी हमलों में पाकिस्तान के संरक्षण के तथ्य सामने आते रहे हैं।

फिलहाल पाकिस्तान जल संकट से दो-चार है और ऐसे में अगर भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने की घोषणा की है तो इससे पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ेंगी। पहलगाम में पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी और उसमें काफी लोगों की मौत के बाद भारत ने जो सख्त कदम उठाने की घोषणा की है, उसमें यह संदेश साफ है कि अगर पाकिस्तान आतंक के रास्ते भारत को अस्थिर करने और निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादी संगठनों को समर्थन और शह देना जारी रखता है तो उसे इसके नतीजे भी भुगतने के लिए तैयार रहना चाहिए।

दृष्टिकोण...

मज़हबी उन्माद का घिनौना चेहरा है आतंकवाद

-डॉ. सुधाकर आशावादी

किसी भी भूभाग पर रहने वाले लोगों का जीवन उस भूभाग पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर ही निर्भर रहता है। इसलिए पृथ्वी का जो भूभाग व्यक्ति के लिए अन्न, जल व आवास की व्यवस्था करता है। उस भाग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना व्यक्ति का प्रथम दायित्व होना चाहिए। विश्व भर में ऐसा ही है जहां राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से प्रत्येक नागरिक राष्ट्र के प्रति समर्पित रहता है। कई देशों का विधान ही ऐसा है, जहां व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत आस्थाओं के अनुपालन में राष्ट्र धारा के प्रतिकूल आचरण करने का दुस्साहस नही कर सकता। विडंबना है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र में मज़हब के नाम पर लोगों को मनमानी की छूट प्राप्त है, जिस कारण कुछ लोग मज़हबी उन्माद में जीयो और जीने दो के सिद्धांत की अवहेलना करने में पीछे नहीं रहते, जिसके परिणाम स्वरूप देश में धार्मिक उन्माद आतंकवाद जैसी अमानवीय हिंसा को निमंत्रण देता है।

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के उपरांत सैलानियों की सुरक्षा और गुप्तचर एजेंसियों की विफलता पर सवाल तो उठेंगे ही, मगर इस आतंकी हमले में समूचे देश में विगत अनेक बरसों से राष्ट्र से पहले मजहब को मानने का प्रचलन भी कम दोषी नहीं है। कौन नहीं जानता कि किसी भी पंथ निरपेक्ष राष्ट्र में सभी को अपने अपने धार्मिक मूल्यों के आधार पर पूजा पद्धति अपनाने और सांस्कृतिक व परम्परागत उत्सव मनाने का अधिकार है, किन्तु यह अधिकार राष्ट्रीय एकता और अखंडता पर प्रहार करने तथा राष्ट्रय अनुशासन को अस्वीकार करने की स्वतंत्रता प्रदान नहीं करता। किसी भी समृद्ध लोकतंत्र में आम आदमी के लिए दो विधान नहीं हो सकते। भारत का दुर्भाग्य है कि कतिपय राजनीतिक स्वार्थ के चलते कुछ राजनीतिक दलों ने सत्ता बहुमत के आधार पर संविधान में मनमाने संशोधन करके खास धर्म के अनुयायियों को विशेषाधिकार प्रदान किए। अल्पसंयकों में भी भेदभाव किया। अल्पसंख्यकों की गणना हेतु समुचित मानक निर्धारित नहीं किए, जिसका दुष्परिणाम यह हुआ कि अल्पसंख्यक होने का अधिकाधिक लाभ केवल एक ही मजहब के अनुयायियों ने अधिक उठाया। सरकारी योजनाओं के नाम पर फर्जी संस्थान स्थापित करके करोड़ों रुपए के अनुदान प्राप्त किए। बिना किसी आधार के सरकारी और व्यक्तिगत सम्पत्तियों को वक्फ की संपत्ति घोषित करके समाज में विघटनकारी स्थिति उत्पन्न की। देश की संसद में भी अपने अनुरूप संविधान में संशोधन कराया तथा माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णयों को भी अपने मजहबी मामलों में दखल घोषित करके नकारा। इतिहास साक्षी है कि विश्व के किसी भी लोकतांत्रिक देश में ऐसी दबाव की एक पक्षीय नीतियों को कोई मान्यता नहीं दी जाती। विश्व में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से ही व्यवस्था सुचारू रहती हैं। f

जन मजहबी रिवायतों को इस्लामिक राष्ट्र भी अपने देश में लागू नहीं करते, उन मजहबी रिवायतों के नाम पर भारत में धरने प्रदर्शन करके राष्ट्र को नकारने में भी संकोच नहीं किया जाता। यह चिंताजनक स्थिति है, जिससे निपटने के लिए एक देश एक कानून और समस्त लोकतान्त्रिक मूल्यों को धार्मिक आस्थाओं से ऊपर उठकर स्वीकारने पर बल दिया जाना आवश्यक है। भारत जैसे देश में मजहब के नाम पर कट्टरपन और आतंक को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जा सकता। सो आवश्यक है कि संविधान से अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक जैसे शब्दों की जगह केवल नागरिक शब्द को मान्यता दी जाए। कोई भी मजहब राष्ट्र से बड़ा नहीं हो सकता, सो समान नागरिक संहिता, कठोर जनसंख्या नीति, नागरिक पंजीकरण की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर हो। राष्ट्र के समग्र विकास और आत्मनिर्भर भारत बनाने हेतु मुफ्त में प्रदान की जाने वाली सुविधाएं तत्काल प्रभाव से बंद हों। यदि समय रहते मजहबी उन्माद को नहीं रोका गया, तो वह दिन दूर नहीं, कि जब कट्टरपंथी सिर्फ कश्मीर में ही नहीं, बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी धर्म पूछकर अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने से का दुस्साहस न करें। सो समय से ही यदि आतंकियों पर कठोर कार्यवाही अपेक्षित है।

इंसानों का अतिक्रमण

-राकेश घुमन्तु, राहगीर गोल्डी

जंगल में, एक बूढ़ा और बुद्धिमान बंदर रहता था। वह जंगल में सभी जानवरों के लिए एक नेता और सलाहकार के रूप में सम्मानित था। एक दिन, उसने देखा कि जंगल में कुछ अजीब हो रहा है। पेड़ सूख रहे थे, नदियां सूख रही थीं, और मौसम अप्रत्याशित हो रहा था। बूढ़ा बंदर चिंतित हो गया। उसने जंगल के सभी जानवरों को इकट्ठा किया और उनसे कहा, मुझे लगता है कि हमारे जंगल में कुछ गलत हो रहा है। पेड़ सूख रहे हैं, नदियां सूख रही हैं, और मौसम अप्रत्याशित हो रहा है। मुझे लगता है कि हमें इसका कारण जानने और इसे ठीक करने के लिए कुछ करना होगा।

बूढ़ा बंदरः मेरे प्यारे साथियों, क्या किसी ने भी इन बदलावों को महसूस किया है? क्या किसी को इसका कारण समझ आ रहा है?

हाथी (गहरी आवाज़ में): बंदर राजा, मैंने भी देखा है कि पानी कम हो रहा है। मुझे अब पहले जितनी आसानी से कीचड़ नहीं मिल रही, जिससे मेरी त्वचा सूखने लगी है।

हिरण (घबराई हुई आवाज़ में): और मैं! घास सूख रही है, मिलने में बहुत मुश्किल हो रही है। मेरे बच्चे भूखे हैं!

बूढ़ा बंदरः तो यह सच है। समस्या गंभीर है। हमें एक योजना बनानी होगी। उल्लू, तुम सबसे बुद्धि हो, क्या तुम्हारे पास कोई सुझाव है?

उल्लू (धीरे से): हु ... हु ... मैंने अपनी उड़ान के दौरान देखा है, जंगल के किनारे के पेड़ विशेष रूप से प्रभावित हैं। क्या ऐसा हो सकता है कि समस्या जंगल के बाहर से आ रही हो?

बूढ़ा बंदरः यह एक दिलचस्प विचार है, उल्लू। हम क्या कर सकते हैं?

उल्लूः हम कुछ जानवरों को जंगल की सीमा पर जांच करने के लिए भेज सकते हैं। शायद उन्हें कुछ सुराग मिल जाए।

बूढ़ा बंदरः हां! यह सही होगा। चीता, तुम सबसे तेज़ हो, और भालू, तुम सबसे मजबूत हो। क्या तुम दोनों जा सकते हो?

चीता (आत्मविश्वास से): मैं तैयार हूँ, राजा। मैं अभी जाकर देखता हूँ।

भालू (गंभीरता से): हाँ, मैं भी तुम्हारे साथ चलूँगा। इस जंगल को बचाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हूँ।

बूढ़ा बंदरः बहुत अच्छा! जल्दी करो और सुरक्षित रहो। हम तुम्हारी प्रतीक्षा करेंगे। और बाकी सब, प्रार्थना करो कि हमें इसका हल मिल जाए।

आगे चलकर, चीता और भालू जंगल की सीमा पर क्या खोजेंगे? क्या वे इस समस्या का हल ढूंढ पाएंगे?

चीता और भालू ने जंगल की घनी हरियाली को पार करते हुए अपना सफर शुरू किया। चीता आगे-आगे फुर्ती से दौड़ रहा था, जबकि भालू उसके पीछे अपनी मजबूत चाल से चल रहा था। जैसे-जैसे वे जंगल की सीमा के करीब पहुंच रहे थे, उन्होंने महसूस किया कि हवा में एक अजीब सी गंध है मिट्टी और धुएं का मिश्रण।

चीता (नाक सिकोड़ते हुए): भालू, क्या तुम्हे भी ये अजीब गंध आ रही है?

भालू (चारों तरफ सूंघते हुए): हाँ, चीता। ये धुंए जैसी है,

लेकिन कुछ और भी... मिट्टी की गंध भी है, लेकिन बहुत मजबूत।

वे आखिरकार जंगल के किनारे पहुंच गए। वहां का दृश्य भयानक था। हरे-भरे पेड़, जो कभी इस जगह की शान हुआ करते थे, अब ठूंठ बनकर खड़े थे। दूर तक, उन्होंने एक बड़ी बस्ती देखी, जहां से धुएं के बादल आसमान में छा रहे थे।

चीता (गुस्से से): ये क्या है? ये बस्ती किसने बसाई? और ये सब आग क्यों है?

भालू (गंभीरता से): मुझे लगता है, चीता, कि यही हमारी समस्या की जड़ है। ये इंसान हैं, और उन्होंने जंगल को काट डाला है!

वे बस्ती की ओर चुपके से बढ़े। उन्होंने देखा कि इंसान पेड़ों को काट रहे हैं और उन्हें जला रहे हैं। उन्होंने यह भी देखा कि एक बड़ी नदी, जो कभी जंगल में पानी का मुख्य स्रोत थी, को डायवर्ट करके बस्ती में ले जाया जा रहा है।

चीता (दबदबाते हुए): ये तो बहुत गलत है! ये लोग हमारे जंगल को नष्ट कर रहे हैं!

भालू (शांत रहने की कोशिश करते हुए): हमें शांत रहना होगा, चीता। हमें राजा बंदर को यह सब बताना होगा।

उन्होंने बस्ती से तथ्यों को जमा किया, जैसे वे जंगल में प्रवेश करते हैं, और वे तेजी से वापस जंगल में लौट गए, उनके दिलों में डर और गुस्सा दोनों थे।

चीता और भालू ने जंगल में वापस आकर बूढ़े बंदर और बाकी जानवरों को सब कुछ बताया जो उन्होंने देखा था। जानवरों में डर और क्रोध फैल गया।

बूढ़ा बंदर (चिंता से): तो इंसान इस सब के पीछे हैं। उन्होंने हमारे जंगल को नुकसान पहुंचाया है और हमारे पानी को चुरा लिया है।

हाथी (गुस्से में): हमें उनसे लड़ना चाहिए! हमें उन्हें अपने जंगल से बाहर निकाल देना चाहिए!

हिरण (डर से): लेकिन वो बहुत शक्तिशाली हैं। हम क्या कर सकते हैं?

बूढ़ा बंदर (सोचते हुए): हमें लड़ना होगा, लेकिन ताकत से नहीं, बुद्धि से। हमें एक योजना बनानी होगी, एक ऐसी योजना जो हमें अपने जंगल को बचाने में मदद करे। उल्लू, चीता, भालू और मैं मिलकर एक रणनीति तैयार करेंगे। बाकी सब, शांत रहें और आशा रखें। अभी भी उम्मीद है। क्या जानवरों का जंगल इंसानो द्वारा नष्ट होने से बचता है?

प्रकृति हमारी साझा धरोहर है और उसका विनाश अंततः हम सभी के लिए संकट लाएगा। आइए, विकास के नाम पर प्रकृति का शोषण न करें, बल्कि उसके साथ सद्भाव में जीना सीखें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस खूबसूरत ग्रह का आनंद ले सकें।

लेखक परिचय

राकेश यादव गोल्डी एक सामाजिक कार्यकर्ता, विचारक और कलाकार हैं, जो जीवन, समाज और आत्मअन्वेषण से जुड़े विषयों पर लिखते हैं। उनकी लेखनी मानवीय संवेदनाओं, रिश्तों और आत्मखोज की गहराइयों को छूती है। वे सामाजिक न्याय, युवा नेतृत्व और कला-संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय हैं और विभिन्न अभियानों, कार्यशालाओं और आयोजनों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं। राकेश मानते हैं कि हर व्यक्ति अधूरा है, और यही अधूरापन उसे आगे बढ़ने की ताकत देता है। उनके लेख, कविताएं और विचार समाज के भीतर छिपी गहरी भावनाओं और अनुभवों को सरल भाषा में अभिव्यक्त करने का प्रयास करते हैं।

चलते रहो यारो....

चलते रहो यारो
जहां मंजिल का पता होगा,
ना ही कहीं बसेरा होगा,
एक चुनौती होगी,
खुद की हिम्मत होगी,
जहां कोई पहचानेगा,
ना ही कोई हम सफर होगा,
राहों में डगमगाते कदम होंगे,
न बहकते हम होंगे,
माथे पर चिंता का पसीना होगा,
भूखे पेट से व्याकुल होंगे,
जहां हमारा जुनून होगा,
पर जोश कम होगा,
मेहनत कश हमारा दिल होगा,
सफलता का दिल में अरमान होगा,
तमस को मिटाने में हम आगे होंगे,
जहां चांदनी रात होगी,
वहां अंधेरी रात भी होगी,
जोश से दिल भरा होगा,
सफर का कारवां मुकम्मल होगा,
जहां सुबह की भोर होगी,
जीवन में आशा का नया सबेरा होगा।

-गोविन्द सूचिक अदनासा हरदा

नर्मदापुरम संभाग म.प्र.

कार्यपालिका एवं न्यायपालिका में टकराव का जिम्मेदार कौन?

उपराष्ट्रपति ने कहा, हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। और वह भी किस आधार पर? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145 (3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। इसके लिए पांच या उससे अधिक न्यायाधीश होने चाहिए। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को रेखांकित करते हुए कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति और चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है।

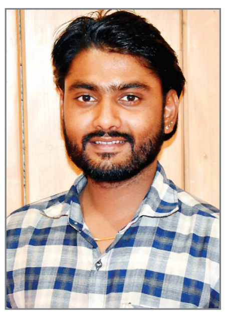

शिवशरण त्रिपाठी

भारत का लोकतंत्र तीन स्तम्भों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर टिका है। संविधान में तीनों स्तम्भों के अधिकारों, कर्तव्यों की व्याख्या के साथ लक्ष्मण रेखा भी खींची गई है।

इसे दुर्भाग्य ही कहा जायेगा कि आये दिन विधायिका और न्यायपालिका के बीच टकराव की स्थिति बनती है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि इसके लिए क्या स्वयं संविधान जिम्मेदार है अथवा स्वयं दोनों संवैधानिक संस्थायें? जो भी हो ऐसे हालात के लिये दोनो ही संवैधानिक संस्थायें जिम्मेदार रही हैं। ऐसे अनेक अवसर आये है जब विधायिका ने न्यायपालिका और न्यायपालिका ने विधायिका के अधिकारों का हनन करने में लक्ष्मण रेखा का उल्लघंन किया है। संविधान के तीनों स्तम्भ एक दूसरे के अधिकारों का सम्मान व रक्षा करें यही भारतीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य है। यदि ऐसा न हुआ तो आपसी टकराव तो बढ़ेगा ही लोकतंत्र मजाक बनकर रह जाएगा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिये समय सीमा निर्धारित किये जाने को लेकर न केवल सवाल उठाया वरन् उन्होंने कड़ी टिप्पणी करते हुये यहां तक कह डाला कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता।

उन्होंने कहा कि हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनायेगें, जो कार्यपालिका के कार्य करेगें, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेगें और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून इन पर लागू नहीं होता है।

उपराष्ट्रपति ने लोगों को याद दिलाया कि भारत के राष्ट्रपति का पद बहुत ऊंचा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति संविधान के संरक्षण, सुरक्षा और बचाव की शपथ लेते हैं। मंत्री, उपराष्ट्रपति, सांसद और न्यायाधीश सहित अन्य लोग संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा, हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। और वह भी किस आधार पर? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145 (3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। इसके लिए पांच या उससे अधिक न्यायाधीश होने चाहिए। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को रेखांकित करते हुए कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति और चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है।

क्या है अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के तहत पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करता है। इसके तहत कोर्ट किसी भी मामले में पूर्ण न्याय दिलाने के मकसद से ऐसा फैसला या आदेश दे सकता है, जो पूरे भारत में लागू हो, लेकिन यह आदेश कैसे लागू होगा, यह संसद की ओर से बनाए गए कानून के जरिए तय होता है। अगर संसद ने अभी तक कोई नियम नहीं बनाया है, तो यह राष्ट्रपति को तय करना होता है कि कोर्ट की ओर से दिया गया आदेश या फैसला कैसे लागू किया जाए। इसके अलावा, अनुच्छेद के दूसरे हिस्से के तहत सुप्रीम कोर्ट किसी भी व्यक्ति को अपने सामने बुला सकता है, जरूरी दस्तावेज मांग सकता है।

अगर कोई इसकी अवमानना करता है, तो कोर्ट को इसकी जांच करके उसे सजा देने की शक्तियां भी हासिल है। अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को खास तरह के अधिकार देते है, जिसमें जब कानून का कोई उपाय काम नहीं करता तो कोर्ट उस मामले में पूर्ण न्याय दिलाने के मकसद के हिसाब से खुद अपने विवेक पर आगे बढ़कर फैसला ले सकता है।

इसी क्रम में उपराष्ट्रपति ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक न्यायमूर्ति के आवास से कथित तौर पर बड़े पैमाने पर नकदी की बरामदगी से जुड़े मामले में प्राथमिकी दर्ज न किए जाने पर सवाल उठाया। धनखड़ ने कहा कहा कि अगर यह घटना उसके (आम आदमी के) घर पर हुई होती, तो इसकी (प्राथमिकी दर्ज किए जाने की) गति इलेक्ट्रॉनिक रॉकेट सरीखी होती लेकिन इस मामले में तो यह बैलगाड़ी जैसी भी नहीं है।

उपराष्ट्रपति द्वारा न्यायपालिका पर उठाये गये कई सवाल उचित है तो कई अनुसचित भी। ठीक है न्यायपालिका को राष्ट्रपति को सीधे आदेश देने की बजाय सुझाव देना चाहिये था और तमिलनाडु सरकार द्वारा राज्यपाल को भेजे गये दर्जन के करीब विधेयकों को राष्ट्रपति के पास न भेजे जाने पर सीधे निर्णय लेने की बजाय राज्यपाल से पूछा जाना चाहिये था कि आखिर उन्होने किन कारणों से एक लम्बे अर्से से विधेयकों को राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिये भेजने की बजाय अपने पास रोक रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा न करके सीधे निर्णय ही नहीं सुना दिया वरन् एक प्रकार से राष्ट्रपति की आलोचना भी कर डाली। हालांकि न्यायपालिका के हस्तक्षेप के बाद इस सवाल का जवाब राज्यपाल को देना ही चाहिये कि आखिर उन्होने तमिलनाडु सरकार के विधेयकों को लम्बे समय से किन कारणों से रोक रखा था? राज्यपाल के चुप्पी साधने से साफ है कि उन्होने अपने अधिकारों का दुरूपयोग किया है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर प्रश्न चिन्ह लगाने के बाद राष्ट्रपति को कम से कम राज्यपाल से सवाल तो पूछा ही जाना चाहिये था कि आखिर उन्होने क्यों और किस मंशा से विधेयकों को इतने लम्बे अर्से से अपने पास रोक रखा था। जहां तक दिल्ली के हाईकोर्ट के एक जज के घर में ही लाखों की नकदी पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोई विधिक कार्यवाही न करने पर सवाल उठाया गया वो उचित ही है।

क्या हाईकोर्ट का जज कानून से ऊपर है? अनेक अवसरों पर न्यायपालिका का पक्षपात भी सामने आता रहा है। जिस पर जनता में तीखी प्रतिक्रिया भी होती रही है। चाहे राम जन्म भूमि का मामला रहा हो, चाहे देश में आपातकाल लागू होने का, चाहे किसान आंदोलन में किसानों द्वारा लम्बे समय तक सड़कों पर आवागमन रोकने का और अब चाहे वक्फ कानून पर किन्तु परन्तु लगाये जाने का, सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों व रूख से यही सिद्ध होता है कि वो कानून की समीक्षा करने के अपने अधिकार की आड़ में अपनी सीमायें लांघने में संकोच नहीं करता। वो जनहित के मामलों को जनमत के नजरिये से वरीयता देने की बजाय कानूनी दांव पेंच में फंसाने का जो खेल खेलता है उससे यही संकेत/संदेश जाता है कि सुप्रीम कोर्ट निष्पक्ष नहीं रह गया है।

सार-समाचार

सेन समाज ने भव्य शोभायात्रा के साथ मनाया सेन महाराज का जन्मोत्सव

अनोखा तीर, खंडवा/मुंदी। मुंदी नगर में सेन समाज द्वारा श्रद्धा, उत्साह और भक्तिभाव से संत शिरोमणि सेन महाराज का 725वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। संत शिरोमणि सेन महाराज की प्रतिमा को सुसज्जित वाहन पर स्थापित कर

ढोल-बाजों के साथ नगर भ्रमण कराया गया। यात्रा के दौरान नगरवासियों ने विभिन्न स्थानों पर स्वागत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। यात्रा में डीजे की धुन पर बालिकाएं पारंपरिक गरबा करती हुई नजर आईं, जिससे आयोजन में विशेष ऊर्जा का संचार हुआ। यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मोहल्लों से होती हुई मांगलिक भवन पहुँची, जहाँ समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में सेन समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा और बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हुए। संपूर्ण नगर में आयोजन को लेकर श्रद्धा और उमंग का विशेष माहौल देखने को मिला।

मधुमक्खी के हमले से तीन लोग घायल, दमकल टीम ने किया रेस्क्यू

अनोखा तीर, खंडवा/मुंदी। मुंदी नगर के रेणुका माता मंदिर में शनिवार को एक दुखद घटना घटी, जब दर्शन करने आए श्रद्धालुओं पर मधुमक्खियों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। घटना उस समय हुई जब सोमगांव निवासी एक ही परिवार के सदस्य माता रानी के दर्शन कर रहे थे। इसी दौरान

मधुमक्खियों का झुंड बिखर गया और हमला कर दिया, जिससे मौर्य परिवार के तीन पुरुष और एक महिला घायल हो गए। सूचना मिलते ही नगर परिषद का दमकल वाहन तत्काल मौके पर पहुँचा और घायलों को रेस्क्यू कर मुंदी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया गया। वहाँ घायलों का इलाज डॉ. रविन्द्र मंडलोई द्वारा किया जा रहा है। घायल श्रद्धालु सोमगांव से रेणुका धाम दर्शन के लिए आए थे। हादसे के बाद मंदिर परिसर और आसपास क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि ऐसी प्राकृतिक घटनाओं से सतर्क रहें और समूह में सुरक्षित दूरी बनाकर दर्शन करें।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में प्रांतीय शारीरिक एवं घोष वर्ग का आयोजन

अनोखा तीर, खंडवा। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कल्याणगंज, खंडवा में चल रहे सात दिवसीय प्रांतीय शारीरिक एवं घोष वर्ग के अंतर्गत शनिवार को आयोजित बौद्धिक सत्र में प्रशिक्षार्थियों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंडवा विभाग प्रचारक विजेन्द्र गोठी का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बौद्धिक सत्र में श्री गोठी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ क्या है और इसके उद्देश्य विषय पर

विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संघ की मूल विचारधारा और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर प्रशिक्षार्थियों को प्रेरणादायी जानकारी दी। सत्र के पूर्व प्रशिक्षार्थियों ने खेल, साहसिक प्रदर्शन, योगासन, वेणु (बांसुरी वादन), आनक (ड्रम वादन) और शंख वादन का अभ्यास किया। इस अवसर पर वर्ग के संयोजक जितेन्द्र महाजन, विद्यालय के प्रधानाचार्य दिलीप सपकाले तथा वर्ग संचालन टोली और शिक्षण टोली के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षार्थियों में शारीरिक दक्षता, घोष कौशल तथा राष्ट्रभावना का विकास करना है।

राज्य स्तरीय ओपन सीनियर शतरंज प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

अनोखा तीर, खंडवा। मध्यप्रदेश एड हॉक शतरंज संघ के निर्देशन में आयोजित प्रथम श्री दादाजी धूनीवाले रैपिड रेटिंग मध्यप्रदेश चयन ओपन सीनियर शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को भंडारी पब्लिक स्कूल, खंडवा में किया गया। कायक्रम का शुभारंभ खंडवा विधायक श्रीमती कंचन तनवे ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने उद्बोधन में श्रीमती तनवे ने कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है, जो बुद्धि, धैर्य और रणनीति का विकास करता है। उन्होंने खिलाड़ियों से हार-जीत को सहजता से स्वीकार कर निरंतर प्रयास करते रहने का आह्वान किया।

प्रतियोगिता में प्रदेशभर से लगभग 600 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनके लिए 300 से अधिक टेबल लगाए गए। शिक्षा विभाग की सक्रिय भागीदारी से सुदूर ग्रामीण अंचलों सहित शहरी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर पंजीयन कराया। प्रतियोगिता में खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने भी एक प्रतिभागी के रूप में भाग लेकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मांधाता विधायक नारायण पटेल ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महापौर श्रीमती अमृता यादव ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता आपके जीवन में आगे बढ़ने की एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रतियोगिता की सराहना की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ नागार्जुन बी. गौड़ा, जिला शिक्षा अधिकारी पी.एस. सोलंकी, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अक्षत खंपरिया, एम. नागलक्ष्मी, इंदौर चेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल फतेहचंदानी, भंडारी पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर नीरज भंडारी सहित आयोजन समिति के कई सदस्य उपस्थित रहे।

पहलगाम में आतंकी हमले से शहर ही नहीं ग्रामीण क्षेत्रवासियों में भी है आक्रोश

आतंकी हमले में शामिल मृतकों को दी श्रद्धांजलि

अनोखा तीर, बड़वाह।

समीपस्थ ग्राम काटकूट में पहलगाम में हुए आतंकी हमले से ग्रामीण क्षेत्रों में भी आक्रोश पनप रहा है। हर भारतीय इस घटना में निर्दोष लोगों की हत्या से आंदोलित है। आतंकवादी और उनके सहयोगी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्यवाई की मांग कर रहा है। शुक्रवार को काटकूट स्थित तेजाजी मंदिर प्रांगण में राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के नेतृत्व में सर्व समाज द्वारा कश्मीर में आतंकी हमले मे मारे जाने वाले नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर मोमबत्ती जलाकर 2 मिनट का मौन रखा गया। इस दौरान ग्रामीणजनों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे बुलंद कर की घटना की निंदा की।

हर नागरिक इस हमले से आक्रोशित है, आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा दिला की मांग कर रहा है। राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के बडवाह तहसील अध्यक्ष अशोक मुंडेल ने कहा कि यह हमला देश की एकता अखंडता और संप्रभुता पर हमला है और इसके जिम्मेदारो छोड़ा नहीं जाएंगा। उन्हें इसका माकूल जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मासूम और निर्दोष लोगों की हत्या पूरी मानवता पर हमला है। इस कृत्य को करने वाले दरिंदे और उनके सहयोगी मानव समाज पर कलंक है। श्रद्धांजलि के पश्चात ग्रामीणजनों ने ग्राम काटकूट चौकी के प्रभारी अजय झा को

एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के जिलाध्यक्ष दीपक पटेल, तहसील उपाध्यक्ष संतोष चोटिया, रामप्रसाद पटेल, चिंताराम जाट, देवकरण जाट, गोविंद जाट, गंगाराम जाट, सुभाष जाट, बाबूलाल जाट, रामेश्वर इनानिया, मुकेश जाट, कैलाश जाट, राम जाट, दिनेश जाट आदि समाजजन उपस्थित थे।

कांग्रेस नेता व कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि – बड़वाह नगर में कांग्रेस संगठन द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में गुरुवार शाम जय स्तंभ चौराहे पर शहीद स्तंभ के समक्ष विरोध प्रदर्शन कर आतंकवाद का पुतला जलाया। कांग्रेस जनों ने आतंकवादी हमले में मारे गए 26 निर्दोष नागरिकों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की, और भारत सरकार से हमले को लेकर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इस प्रदर्शन में शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, वरिष्ठ नेता रमिंदरसिंह भाटिया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अनिल राय, युवा कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष हिम्मत पटेल, पार्षद अनिल कानूनगो, मजहर अली, बद्रीलाल पटेल, कमलेश सेन, मोनू प्रजापत, छोटू दस्सानी, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष किशोर काले, इरफान शेख, महामंत्री मनीष जैन सहित अनेक कांग्रेस जन सम्मिलित हुए। इस दौरान आंतकवाद का पुतला दहन सेवादल के अध्यक्ष जितेंद्र पाटीदार एंव युवा नेता नकुल नरेंद्र पटेल द्वारा किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय, आतंकवाद मुर्दाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाकर मोमबत्तियां जलाकर शहीद हुए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि दी।

भाजपा पुनासा मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित

-71 सदस्यीय टीम में 14 महिलाएं शामिल

अनोखा तीर, खंडवा/पुनासा।

भारतीय जनता पार्टी पुनासा मंडल की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। मंडल अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी ने जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर की सहमति से 71 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। नई कार्यकारिणी में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए 14 महिलाओं को भी स्थान दिया गया है। भाईराम यादव और रतन राठौड़ को महामंत्री नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी में छह उपाध्यक्ष और छह मंत्री बनाए गए हैं। साथ ही एक कार्यालय प्रभारी और एक मीडिया प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं।

उपाध्यक्ष नियुक्त हुए:

लोभे सिंह सोलंकी, रूपाली परोची, विजय चौहान, राजेश परिहार, राजू यादव और राजेंद्र प्रजापति।

मंत्री नियुक्त हुए: भारत चौहान, नर्मदाप्रसाद यादव, रामप्यारी, बसु बाई, कंचन बाई और सुनीता जैन।

प्रमुख दायित्व:

विशाल गुजर को मीडिया प्रभारी
संदीप यादव को मीडिया सह प्रभारी
प्रकाश यादव को कोषाध्यक्ष
कपिल मिश्रा को सोशल मीडिया प्रभारी
जीतू नायक को सह सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

मंडल अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी ने कहा कि नई कार्यकारिणी पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करेगी। सभी पदाधिकारी जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे तथा संगठन की योजनाओं और नीतियों को आमजन तक पहुंचाने के लिए कार्य करेंगे।

हम फाउंडेशन भारत सदस्यों ने एसडीएम के सानिध्य में वितरित किए सकोरे

अनोखा तीर, बड़वाह। हम फाउंडेशन भारत की संस्कृति शाखा बड़वाह द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शहर के बस स्टैण्ड स्थित उद्यान में एकत्रित होकर पक्षियों को पीने के पानी हेतु सकोरे लगाने का नेक कार्य किया गया। इस दौरान जिला संरक्षक प्रवीण श्रीमाली ने बताया कि यह कार्य फाउंडेशन भारत संस्कृति शाखा की जिलाध्यक्ष श्रीमती अर्चना आरस के मार्गदर्शन और अध्यक्ष श्रीमती नीति देशवाली के नेतृत्व में

एकत्र होकर किया गया। इस मौके पर सर्वप्रथम कश्मीर में हुए मानवीय नरसंहार जो पर्यटकों पर हुआ। उन मृत आत्माओं को सामूहिक रूप से श्रद्धांजिल देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। उन्होंने कहा कि जैसा कि वर्तमान में गर्मी चरम सीमा पर है। जिसके मद्देनजर हम फाउंडेशन भारत शाखा द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी महात्मा गांधी पार्क बस स्टैण्ड में पक्षियों के लिए सकोरे लगाने और अन्न व्यवस्था की शुरुआत की गई। वही शहर के अंबेडकर पार्क, साई मंदिर परिसर, एरीकेशन कॉलोनी स्थित बगीचा, हाउसिंग बोर्ड स्थित उद्यान, कन्या शाला परिसर, केला माता परिसर, बीआरसी परिसर, पात्र गुरुकुल के सामने स्थित बगीचे सहित कुछ धार्मिक स्थलों पर पक्षियों को भीषण गर्मी में पानी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सकोरे लगाए गए। इस दौरान शाखा सदस्यों ने प्रत्येक व्यक्तियों से अपने घरों की छत या किसी भी पेड़ पर पक्षियों के लिए सकोरे लगाकर पानी व्यवस्था करने और उनका भोजन रखने की अपील की। हालांकि इस कार्य के लिए सभी सदस्यों को भी प्रण दिलाया की हम सब भी अपने अपने घरों पर सकोरे और अन्न की व्यवस्था पक्षियों के लिए करेंगे।

जून में हम फाउंडेशन भारत करेगा वृक्षारोपण

जून माह में हम फाउंडेशन भारत द्वारा वृक्षारोपण आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम सत्यनारायण दर्रे प्राचार्य श्रीमती हंसा कानूडे, विशेष अतिथि बीईओ डीएस पिपलौदे, एवं बीआरसी मेवाराम बर्मन, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवराज वर्मा, श्रीमती आशा चौधरी सह संयोजक मालवा प्रांत रहे। जिसके सानिध्य में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में एसडीएम श्री दर्रे ने हम फाउंडेशन भारत की इसी अनूठी पहल की सराहना की और सभी के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से उपस्थित सभी व्यक्तियों को यह प्रेरणा लेकर अपने अपने घरों में भी एक सकोरे अवश्य लगाना चाहिए। ताकि इस भीषण गर्मी में पक्षियों को ठंडे पानी से राहत मिल सके। इस कार्यक्रम में कविता चौहान, विशाल सोनी, प्रीतिमा गंगराड़े, प्रिया चंद्रवंशी, ममता जाट, नैना सोनी, दीपिका यादव, ज्योति शर्मा, नवीन दुबे, राकेश शर्मा, गौरीशंकर शर्मा, पीयूष खांडे एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पंधाना में प्याज भंडारण केंद्र और अरबी प्रसंस्करण इकाइयों की मिले स्वीकृति

विधायक मोरे ने केंद्रीय कृषि मंत्री को सौपा पत्र

अनोखा तीर, खंडवा। पंधाना विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक छाया मोरे किसानों की समस्याओं के निराकरण हेतु लगातार प्रयासरत हैं। इसी क्रम में उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र प्रेषित कर पंधाना क्षेत्र में प्याज भंडारण केंद्र एवं प्याज व अरबी प्रसंस्करण इकाइयों की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया है। समाजसेवी को प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि विधायक छाया मोरे द्वारा केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान को प्रेषित पत्र में कहा गया कि पंधाना क्षेत्र में प्याज और अरबी का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है, जिसे देशभर में विक्रय हेतु भेजा जाता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत खंडवा जिले के लिए प्याज को विशेष उत्पाद के रूप में चयनित किया गया है। ऐसे में स्थानीय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने एवं फसल के भंडारण

की समस्या के समाधान हेतु प्याज भंडारण केंद्रों की स्थापना आवश्यक है। विधायक छाया मोरे ने यह मांग भी रखी कि पंधाना क्षेत्र में प्याज से संबंधित उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाए, जिससे क्षेत्रीय किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि उचित भंडारण सुविधाओं के अभाव में किसानों को समय से पहले अपनी फसल कम दामों में बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यदि भंडारण और प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित होती हैं तो किसानों को अधिक लाभ मिल सकेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया विधायक छाया मोरे द्वारा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र देते समय प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव देश के सिंचाई मंत्री तुलसी सिलावट भी उपस्थित थे।

भीकनगांव पुलिस की अवैध हथियार पर बड़ी कार्यवाही

अनोखा तीर, भीकनगांव। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र रावत तथा एसडीओपी राकेश आर्य के निर्देशन में थाना भीकनगांव पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। शुक्रवर की रात करीब 11 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद रंग की अल्टो कार में अवैध हथियार लेकर सिग्नूर से बमनाला की ओर कुछ लोग आ रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए बमनाला में राजशाही ढाबे के पास उक्त कार को रोका गया। कार में सवार व्यक्तियों ने अपने नाम बताए। संतोष पिता विष्णु (उम्र 26 वर्ष) निवासी देपालपुर, इंदौर, सुनील पिता सुभाष (उम्र 40 वर्ष) निवासी ललनी, हाल महू, जाड़िया पिता भुरला (उम्र 40 वर्ष) निवासी घोड़ी का होना बताया गया। कार की तलाशी लेने पर एक देसी पिस्टल तथा मैगजीन में भरे दो जिंदा

कारतूस बरामद किए गए। हथियार रखने के संबंध में लाइसेंस पूछे जाने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। कार्रवाई में एमपी 9 सीएस 6014 क्रमांक की लगभग 2,50,000 मूल्य की ऑल्टो कार, पिस्टल एवं दो जिंदा राउंड लगभग 24,000 कीमत के जप्त किए गए। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 210/25 धारा 25(1), 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय भीकनगांव पेश किया गया।

पुलिस कार्रवाई में शामिल टीम- थाना प्रभारी भीकनगांव गुलाब सिंह रावत, बमनाला चौकी प्रभारी अमित पवार, आरक्षक विशाल (943), राजू कन्नौजे (862), एवं अंतिम रंदे (652) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सन्तोष तिवारी की पुस्तक जिंदगी जरा ठहर कर का होगा विमोचन

अनोखा तीर, खंडवा। साहित्यकार संतोष तिवारी की दूसरी पुस्तक जिंदगी जरा ठहर कर का विमोचन सोमवार को 6 बजे किशोर सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में होगा, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि मप्र साहित्य अकादमी भोपाल के सहयोग एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद खंडवा इकाई तथा पाठक मंच खंडवा के तत्वावधान में 28 अप्रैल सोमवार को शाम 6 बजे किशोर सभागृह, संगीत महाविद्यालय परिसर में सन्तोष तिवारी की दूसरी पुस्तक ज़िंदगी ज़रा ठहर कर का विमोचन विकास दवे निदेशक मप्र साहित्य अकादमी भोपाल और कैलाश मण्डलेकर वरिष्ठ व्यंग्यकार के कर कमलों द्वारा होगा। इसी अवसर पर प्रीति तिवारी, शिक्षिका केंद्रीय विद्यालय खंडवा, की पेंटिंग और क्राफ्ट की एक प्रदर्शनी भी आयोजित है। आयोजन का समापन उदीयमान गीतकार, गायक और संगीत निर्माता प्रारब्ध तिवारी की संगीत संध्या से होगा। कुल 3 घण्टे के इस विविध रंगी आयोजन के आयोजकों ने कला प्रेमियों से समय पर सपरिवार आगमन की अपील की है।

समाजसेवी ने पर्यावरण संरक्षण हेतु किया पौधारोपण

अनोखा तीर, खंडवा। बढ़ती गर्मी और गिरते पर्यावरणीय स्तर को देखते हुए समाजसेवी एवं पर्यावरण प्रेमी बुरहानुद्दीन पिनखजुरवाला ने अपने निजी खर्च से सिविल लाइंस स्थित स्टेडियम के पास बड़े स्तर पर पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने नीम, पीपल और पारस पीपल के लगभग 10 से 12 फीट

ऊंचाई वाले पौधे रोपे। पिनखजुरवाला का उद्देश्य है कि सिविल लाइंस रोड, नेहरू स्कूल रोड, इंदौर रोड, जिलोध्यान से पद्मकुंड मार्ग जैसी खुली और धूप प्रभावित जगहों पर इस तरह के बड़े पौधे लगाए जाएं ताकि भविष्य में सड़कों पर पर्याप्त छांव मिले और पर्यावरण का संतुलन भी बना रहे। समाजसेवी ने सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनता से भी अपील की कि वे इस पुनीत कार्य में आगे आएं, खुली जगहों पर पौधे लगाएं तथा उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी स्वयं उठाएं। इस अवसर पर गजेन्द्र चौहान, अधिवक्ता अभिषेक मालाकार सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। बुरहानुद्दीन पिनखजुरवाला का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आयुष विभाग ने दिया अश्वगंधा की खेती का प्रशिक्षण

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। आयुष विभाग मप्र शासन के द्वारा चलाई जा रही देवारण्य योजना के अंतर्गत आयुष विभाग जिला आयुष अधिकारी डॉ विमला गढ़वाल के निर्देशन में शनिवार को ग्राम पंचायत शिवपुर में किसानों को अश्वगंधा की खेती का प्रशिक्षण दिया गया। ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कौशल के मार्गदर्शन मे भोपाल से आये कृषि विशेषज्ञ सुशील कुमार भार्गव द्वारा अश्वगंधा की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए क्षेत्र के किसानों को उक्त प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें अश्वगंधा की खेती से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत शिवपुर के सरपंच प्रतिनिधि संदेश यादव, ग्रामीण विकास उद्यानिकी विस्तार अधिकारी शांतिलाल पटेल, सचिव अरविन्द दायमा, सह सचिव मुकुल यादव, कृषक देवेश यादव, सुदीप दीवान, अभिषेक मेहरा, प्रदीप साहू, रघुनाथ सिंह राजपूत, महेश गिरी, शिवप्रसाद यदुवंशी उपस्थित रहे। आयुष विभाग से डॉ. आशुतोष पटेल, सत्यनारायण कुमरे, जितेन्द्र जिनोदिया, मुकेश शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कौशल आयुष विभाग द्वारा किसानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 10 मई को

अनोखा तीर, पिपरिया। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार 10 मई शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। तैयारी के लिए प्रि-सिटिंग बैठक राजेश कुमार अग्रवाल प्रथम जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा अधिवक्ताओं को अपने पक्षकारों को इसका लाभ देने के लिए प्रेरित किया। लोक अदालत में सिविल, आपराधिक, चैक बाउंस, मोटर दुर्घटना क्लेम, विद्युत, पारिवारिक विवाद, श्रम, सहकारिता एवं अन्य प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा से कर सकेंगे। बैंक लोन बकाया, विद्युत बिल बकाया, नगर निगम के जलकर एवं संपत्तिकर पर दी जा रही नियमानुसार छूट का लाभ ले सकेंगे। बैठक में मनीष कुमार पारीक न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, शालिनी मिश्रा शुक्ला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पिपरिया, अखिलेश चाडंक न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, दिशा चाडक न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, कमलेश पूर्विया अध्यक्ष अधिवक्ता संघ, दंगल सिंह पटेल सचिव अधिवक्ता संघ, बीमा कंपनी के अधिवक्ता एवं अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सार-समाचार

विश्व हिंदू परिषद नें दी श्रद्धांजलि

अनोखा तीर, इटारसी। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल द्वारा पहलगाम में धर्म पूछकर हुए आतंकी हमले में 27 भारतीयों की मौत के विरोध में आज राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के तहत स्थानीय जयस्तंभ चौक पर भारत माता की जय, हिंदुस्तान जिंदाबाद, पाकिस्तान तेरी तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए एवं मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलामंत्री चेतन सिंह राजपूत ने भारत सरकार से मांग की है कि इन देशद्रोहियों को कठोर से कठोर सजा दे। संत समाज से प्रताप महाराज ने कहा कि हिंदुओं के धैर्य को कायरता न समझे। उक्त अवसर पर जिला संपर्क प्रमुख अनिल शुक्ला, जिला संयोजिका तरुणा सोनी, जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख अनूप तिवारी, नगर कार्य अध्यक्ष महेश वालेचनी, उपाध्यक्ष अनुरुद्ध चंसौरिया, नगर संयोजक संदीप यदुवंशी, नगर सह संयोजिका आरती मालवीय, सत्संग प्रमुख अर्चना सातपुते, मीरा सिंह, ऊषा मालवीय, रानी मनवारे, देवेंद्र उपाध्याय, राज श्रीवास, शैलेश योना, विकास कटारे, आदित्य श्रीवास, आशीष अहिरवार, मोनू रैकवार, अरुण सन्नी सिंधवानी, निहाल, अमन चौरे, करण भट्ट सहित अन्य कार्यकर्ता बंधु एवं मातृशक्ति प्रमुख रूप से उपस्थित थे। तत्पश्चात सभी रेस्ट हाउस से प्रारंभ हुए सकल हिंदू समाज के मशाल जुलूस में मातृशक्ति के साथ सम्मिलित हुए।

तराई करते युवक की करेंट से मौत

अनोखा तीर, पिपरिया। हरभजन पिता मेराव ठाकुर उम्र 55 वर्ष निवासी ग्राम धनाश्री ने थाना मंगलवारा में सूचना दी कि पड़ोस के रिश्ते का भाई लक्ष्मीनारायण पिता हरकिशन ठाकुर उम्र 36 वर्ष जो आज सुबह अपने मकान की तराई कर रहे थे, जिसे बाएं हाथ की उंगली में बिजली का करंट लग गया। उसके लड़के राजा द्वारा सरकारी अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टर द्वारा लक्ष्मीनारायण को मृत घोषित किया गया। रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है।

अक्षय तृतीया पर डोलरिया में होगा राजपूत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन

13 जोड़े का होगा सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी क्षेत्रीय राजपूत समाज का नौवां सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन ग्राम डोलरिया में आयोजित किया जा रहा है। श्री राजपूत समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष नरेश सिंह राजपूत और महामंत्री गजेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि इस वर्ष 13 जोड़े हैं जिनका परंपरागत सनातनी तरीके से विवाह संपन्न होगा। वर-वधू को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पौधारोपण करने के लिए पौधे उपहार में दिए जाएंगे। इस सम्मेलन में नर्मदापुरम, पिपरिया, बरेली, रायसेन, नरसिंहपुर और महाराष्ट्र के अकोला जिले से बड़ी संख्या में राजपूत उपस्थित होते हैं। समाज के इस सम्मेलन में केशव मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल नर्मदापुरम के सौजन्य से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया जाएगा है। डॉ. अतुल सेठा ने बताया कि अक्षय तृतीया पर श्री राजपूत समाज कल्याण समिति द्वारा नौवा सामूहिक विवाह सम्मेलन किया जा रहा है जिसमें इस वर्ष केशव मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल नर्मदापुरम के सौजन्य से निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। समस्त स्वजातीय बंधुओं और माताओं-बहनों से अनुरोध है कि इस शिविर का लाभ अवश्य उठाएं। सभी इसका प्रचार-प्रसार कर सामाजिक एकता का परिचय दें।

जिले में गेहूं खरीदी कार्य सुचारू रूप से जारी

26791 किसानों से 278394 मीट्रिक टन गेहूं का हुआ उपार्जन

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में 15 मार्च से जिले के ई उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत 64988 किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य किया जा रहा है। आज दिनांक को 632 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किया गया एवं 88 मी.ट स्कंद का उपार्जन हुआ। जिला आपूर्ति अधिकारी रश्मि साहू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिले में स्थापित 171 उपार्जन केन्द्रों पर आज दिनांक तक कुल 38414 किसानों के द्वारा अपना स्लॉट बुक किया गया है जिनमें से 26791 किसानों से 278394 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। उपार्जित स्कंद की भुगतान योग्य राशि के विरूद्ध 535.16 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि परिवहन व्यवस्था को भी सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें कुल उपार्जित स्कंद के विरुद्ध 264969 मीट्रिक टन (96.37 प्रतिशत) मात्रा का परिवहन किया जा चुका है। वर्तमान में 257875 मीट्रिक टन उपज की मात्रा स्वीकृत हो चुकी है और डब्ल्यूएचआर (वेयरहाउस रसीद) के अंतर्गत 179768 मीट्रिक टन संग्रहित की गई है।

ट्राइडेंट ग्रुप का पीलीकरार गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

अनोखा तीर, बुदनी। ट्राइडेंट ग्रुप की सीएसआर इकाई, ट्राइडेंट ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के अंतर्गत हेल्थ ऑन व्हील मोबाइल एम्बुलेंस परियोजना की शुरुआत मधुबन अस्पताल के सहयोग से की गई। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को सहज, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसमें ट्राइडेन्ट ग्रुप के चेयरमैन राजिंदर गुप्ता एवं सीएसआर प्रमुख मधु गुप्ता के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में मधुबन अस्पताल बुधनी के निदेशक डॉ. सीए हैरिसन और सभी अनुभवी डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, सीएसआर टीम के साथ ही ग्राम पंचायत पीलीकरार के सरपंच, सचिव एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। इस कड़ी में पीलीकरार गांव में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 102 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच और परामर्श की सेवाओं का लाभ उठाया। साथ ही शिविर में उपस्थित अनुभवी चिकित्सकों ने 52 ग्रामीणों का बीपी, शुगर और हीमोग्लोबिन की जांच के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी प्रदान किया। गंभीर मामलों के लिए रेफरल और मोबाइल एम्बुलेंस सेवाएं भी उपलब्ध रही। इस पहल का उद्देश्य केवल इलाज नहीं, बल्कि ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाना है, ताकि 'स्वस्थ गांव, समृद्ध समाज' की सोच को धरातल पर उतारा जा सके।

संत शिरोमणि सेन महाराज की जयंती मनाई

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। संत शिरोमणि सेन महाराज की 725 वीं जयंती सजग युवा मंडल के द्वारा मंडल कार्यालय वार्ड नंबर 9 पार्षद ईश्वरदास जमीदार के निवास पर बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इसके पश्चात पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। सजग मंडल के वरिष्ठ सदस्य विनोद मालवीय ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संत शिरोमणि सेन महाराज की जयंती मनाई गई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित सभी ने भगवान सेन जी महाराज के तेल चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर जयघोष लगाए और उनके आदर्श जीवन पर प्रकाश डाला। साथ ही मंडल के सदस्य कमलेश लोवंशी ने उपस्थित सभी से पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों के द्वारा धर्म पूछकर मारे गए मृतकों को उनकी आत्मा शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कमलेश लौवंशी, नवीन सोनी, आशीष मालवीय, विनोद मालवीय, लक्ष्मण सेन, राजाराम वर्मा, आनंद सेन, राधेश्याम वर्मा, संतोष सेन, दीपेश सुरमा, आदित्य सोनी, सत्यम पटेल, अखिल लौवंशी, बाबू कुशवाहा, लालू कपिल, मोनू सेन, विकास सराठे, ऋतिक लोवंशी, टाइगर रघुवंशी, हर्ष लोवंशी, सूरज गौर, आयुष गौर, ऋषभ लोवंशी, कपिल जमींदार, शैलेंद्र मांदले, कैलाश मालवीय सहित सेन समाज एवं वार्डवासी उपस्थित थे।

पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को रजक समाज ने दी श्रद्धांजली

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। पहलगाम में आतंकियों की कायराना हरकत में मृत निर्दोष हिंदुओं को रजक समाज नर्मदापुरम के पदाधिकारियों ने शनिवार शाम को परमहंस घाट स्थित संत गाड़गे प्रतिमा स्थल पर दीप जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की एवं दो मिनट का मौन भी रखा गया। इस दौरान रजक समाज ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि भारत सरकार को जल्द ही इस कायराना हरकत में शामिल आतंकवादियों पर कार्यवाही करना चाहिए। साथ ही देश के अंदर छुपे हुए गद्दारों को भी सबक सिखाने चाहिए। इस अवसर पर रजक समाज जिलाध्यक्ष महेश बाथरे, नगर अध्यक्ष मनीष परदेशी, वीरेंद्र तिलोटिया, कैलाश कन्नौजिया, रामगोपाल मालवीय, अमित मालवीय, मुन्नालाल रजक, शंकर परदेशी, दुर्गेश सोनिया, शेरसिंह मालवीय, बलराम भारके, संतोष भारके, मदन मालवीय, लल्लू मालवीय, मनोज कुमार मालवीय, अनिल बनोरिया, शैलेंद्र कनौजिया, विनोद बाथरे सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जिला सहकारी बैंक शाखा शिवपुर ने नहीं किया हम्मालों को गेहूं तुलाई का भुगतान

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। जिला सहकारी बैंक शाखा शिवपुर द्वारा हम्मालों को गेहूं तुलाई का भुगतान नहीं किया। मजदूर हिम्माल जिला ललंदा बिहार के निवासी हैं। 15 से 20 दिन पूर्व गेहूँ तुलाई के लिये हम्माली कार्य हेतु आये थे। हमारे द्वारा सेवा सहकारी समिति भैंसादेह द्वारा गेहूं खरीदी कार्य में हमारे द्वारा हम्माली कार्य किया गया जिसकी राशि लगभग तीन लाख रूपये बनी है, जो कि राशि समिति द्वारा हमें अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। इसकी शिकायत पूर्व में जनसुनवाई में की गई थी। जिसमे कलेक्टर द्वारा तुरन्त हम्माली की राशि हिम्मालों को प्रदान करने के आदेश दिये गये थे। हिम्मालों ने तहसीलदार को बताया कि प्रबंधक भैसादेह द्वारा हमें कोई भी राशि नहीं दी गई है। हम जब भी इन लोगों से चर्चा करते हैं तो हमको डराया धमकाया जाता है। कहा जाता है कि तुमसे बने वो करो हमारी इच्छा होगी तब हम पैसा देंगे नहीं तो नहीं देंगे। हम सभी गरीब परिवार के लोग हैं जो अपना जीवन यापन करने के लिये मजदूरी करने आये हैं। एक सप्ताह से हम लोग बिना किसी काम के बैठे हुये हैं। हमारे परिवार में शादी विवाह एवं अन्य कार्यक्रम है, इसलिए हमें हमारे गाँव जाना बहुत जरूरी है। सरपंच प्रतिनिधि नरहरि पटेल के साथ आए मजदूर दुखहरण प्रसाद, उपेन्दर प्रसाद, कारू प्रसाद, संजय, मुल्ला जी, गुड्डू, डोमन, शंकर, सुलेन्दर, अरूण, साजन, संदीप शामिल रहे।

श्री सेन जयंती पर भावपूर्ण कार्यक्रम संपन्न

अनोखा तीर, खातेगांव। सेन समाज द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री सेन जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। हालांकि हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में निर्दोष सैलानियों की नृशंस हत्या को देखते हुए समाज के वरिष्ठजनों ने इस बार कार्यक्रम को भव्य रूप से न मनाकर सादगी और श्रद्धा के साथ मनाने का निर्णय लिया। यह निर्णय समाज की संवेदनशीलता और देश के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

कार्यक्रम का आयोजन- शुक्रवार को अपराह्न 4 बजे स्थानीय गायत्री मंदिर में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत श्री सेनजी महाराज के पूजन-अर्चन एवं आरती से हुई। इसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न केवल श्री सेनजी महाराज की भक्ति व स्मृति को सम्मान देना था बल्कि हालिया आतंकी घटना पर समाज की एकता, शोक संवेदना और विरोध का भी संदेश देना था।

श्रद्धांजलि और मौन धारण- आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की आत्मा की शांति हेतु सभी उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। गायत्री मंदिर के परिव्राजक रविशंकरजी द्वारा शांति पाठ कराया गया वहीं केवलराम वर्मा (तहसील) ने श्रीराम भजन की प्रस्तुति दी जिससे वातावरण भक्तिमय और भावुक हो गया।

मुख्य वक्ता एवं अतिथि- कार्यक्रम को भारतीय सेन समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त प्रधान डाकपाल नर्मदा प्रसाद सराठे और केवलराम वर्मा ने संबोधित किया। उन्होंने समाज की एकजुटता, सेवा भावना और राष्ट्रीय घटनाओं पर सजगता को रेखांकित किया।

उपस्थित गणमान्यजन

इस अवसर पर केश शिल्पी बोर्ड खातेगांव के प्रतिनिधि रोहित वर्मा, पत्रकार शैलेन्द्र वर्मा, विशाल वर्मा, गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी राजेन्द्र व्यास, सतीष सोनी, प्रकाश श्रीवास (बरछा), बाबू सराठे, ओमप्रकाश वर्मा, जगदीश सांखला, देवीलाल वर्मा, दीपक वर्मा, नवीन वर्मा, शुभम वर्मा, चिंटू वर्मा, श्रीमती कमला सराठे, श्रीमती निशा वर्मा, श्रीमती ज्योति सराठे आदि सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

खातेगांव में मनाया गया अटल सांस्कृतिक महोत्सव

अनोखा तीर, खातेगांव। क्षेत्रीय विधायक आशीष शर्मा की पहल पर अटल जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में शालेय बच्चों के साथ नवाचार करते हुए अटल सांस्कृतिक

महोत्सव का दो दिवसीय अभूतपूर्व आयोजन नगर खातेगांव के सीएम राइस स्कूल खातेगांव में शुरू हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में विधायक आशीष शर्मा, तेजाजी बोर्ड के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण गोरा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र चौधरी एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई, तत्पश्चात पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए सभी नागरिकों को श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनिट का मौन रखकर सभी को श्रंद्धाजलि समर्पित की गई। खातेगांव विधायक आशीष शर्मा के निर्देशन में अटल सांस्कृतिक महोत्सव 2025 के दो दिवसीय कार्यक्रम में शनिवार को खातेगांव विकासखंड के 25 हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूलों से सैकड़ों बच्चों ने विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर बाद विवाद एवं तत्कालीन भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया।

सार-समाचार

पहलगाम आतंकी हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजली

अनोखा तीर, बैतूल। बीआर अम्बेडकर शिक्षा महाविद्यालय में २२ अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा बेगुनाह हिन्दू भाईयों पर हमला किया गया। जिसमें शहीद हुए हिन्दुस्तानियों के लिए महाविद्यालय के संचालक इंजी. ध्रुव अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. जी.डी. देशमुख एवं समस्त स्टाफ बी.एड स्कालर्स द्वारा मौन धारण कर श्रद्धांजली अर्पित की गई।

खातेगांव विकासखंड के शिक्षक शिव पवार हुए सम्मानित

अनोखा तीर, खातेगांव। लाल बहादुर शास्त्री इंस्टिट्यूट ग्रुप ऑफ इन्दौर द्वारा होटल खेड़ापति देवास में एक अनूठी पहल करके शिक्षक सम्मान समारोह देवास की विधायक श्री मंत गायत्री राजे पंवार के मुख्य आतिथ्य और देवास भाजपा के जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव एवं दुर्गेश अग्रवाल, दीपक कुमार अग्रवाल के विशेष आतिथ्य तथा लालबहादुर शास्त्री ग्रुप के एडवाइजर आदर्श अनिल शास्त्री की अध्यक्षता में गरिमामय समारोह आयोजित में खातेगांव के शिक्षा विद गिजुभाई अलंकार एवं अटल शिक्षा रत्न से शिक्षक शिव पंवार को एलबीएस इंस्टिट्यूट से सम्मानित किया गया। श्री पंवार के सम्मान पर सुश्री सिमरन सूर्यवंशी, कैलाश सिंह ठाकुर, मनोज उपाध्याय व अनेक शिक्षको ने बधाई दी।

उप जेल में बंदियों के लिए आयोजित किया स्वास्थ्य शिविर

अनोखा तीर, कन्नौद। उप जेल में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में डॉ. दिनेश शर्मा एवं डॉक्टर लोकेश मीणा के द्वारा 120 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा स्वास्थ्य शिविर में एचआईवी काउंसलर ज्ञानसिंह मालवीय द्वारा एचआईवी की जांच तथा बंदियों की काउंसलिंग की गई। लैब टेक्नीशियन अजय बघेल, राजपाल कर्मा एवं पंकज धनगर द्वारा सभी बंदियों के खकार परीक्षण के साथ लिपिड प्रोफाइल, किडनी फंक्शन, लिवर फंक्शन टेस्ट, सीबीसी,

टाइफाइड, शुगर, विटामिन डी, कैल्शियम, सिफलिस एवं अन्य बीमारियों की जांच हेतु ब्लड सैंपल लिए गए। मलेरिया निरीक्षक धूमसिंग बघेल के द्वारा मलेरिया की जांच तथा एनएमए किशनलाल पंवार के द्वारा लेप्रोसी की जांच की गई। बीईई दिनेश साहू ने बंदियों के रक्त चाप की जांच तथा चिकित्सकों को बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण में सहयोग दिया। स्वास्थ्य शिविर में जेलर गिरजा शंकर दुबे एवं समस्त जेल स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा।

सकल हिंदू समाज ने आतंकवादियों और पाकिस्तान का किया पुतला दहन

अनोखा तीर, बैतूल। जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में आतंकवादियों द्वारा हिन्दू पर्यटकों की धार्मिक पहचान पूछकर की गई नृशंस हत्या के विरोध में शुक्रवार को सकल हिंदू समाज के बैनर तले कारगिल चौक पर सैनिक संगठन, बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद एवं विश्व मंगलय सभा बैतूल एवं सामाजिक बंधुओं ने आतंकवादियों एवं पाकिस्तान का पुतला दहन किया। इस दौरान पुतले को महिला शक्ति वीर नारियों दुर्गा वाहिनी द्वारा जूते चप्पल मारकर अपना रोष व्याप्त किया और आतंकवाद मुर्दाबाद की जमकर नारेबाजी की। सभी संगठनों ने मिलकर दो मिनिट का मौन धारण एवं दीप

प्रज्वलित कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद जिला प्रशासन के माध्यम से केंद्र सरकार को सैनिक संगठन एवं बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद, विश्व मांगल्य सभा ने ज्ञापन देकर देश से आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का आव्हान एवं आतंकियों को फांसी की सजा की मांग की गई। ज्ञापन में उल्लेख किया कि जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगांव में हाल ही में हुई घटना, जिसमें आतंकवादियों ने हिन्दू पर्यटकों से उनका धार्मिक नाम पूछकर उनकी निर्दय हत्या कर दी। जिसने पूरे राष्ट्र को स्तब्ध एवं आक्रोशित कर दिया है। यह न केवल एक आतंकवादी हमला है, अपितु यह भारत के बहुसंख्यक समाज की धार्मिक स्वतंत्रता, पहचान और गरिमा पर सीधा आघात है। उक्त घटना में शामिल सभी आतंकवादियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोरतम दंड (मृत्युदंड) दिया जाए।

खातेगांव में 3 मई से राज्य स्तरीय डायरेक्ट वॉलीबॉल प्रतियोगिता

अनोखा तीर, खातेगांव। स्वर्गीय विमल व्यास सब इंस्पेक्टर की स्मृति में यंग स्पोर्ट्स वॉलीबॉल क्लब खातेगांव के तत्वाधान में राज्य स्तरीय डायरेक्ट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 3 से 4 मई तक खातेगांव नगर के शासकीय मिडिल स्कूल मैदान पुलिस थाने के सामने पर आयोजित किया जा रहा है। यंग स्पोर्ट्स क्लब के संयोजक प्रमोद बोहरे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता का शुभारभ 3 मई को विधायक आशीष शर्मा एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा। प्रतियोगिता का समापन 4 मई रात्रि 11 बजे होगा जहां सभी सहयोगीगण, जन प्रतिनिधि अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार 15 5,55 रुपए स्वर्गीय अवधि दुबे की स्मृति में अजीत दुबे जिला महामंत्री कांग्रेस खातेगांव द्वारा, द्वितीय पुरस्कार 11111 रुपए मनीष वर्मा सीहोर द्वारा, तृतीय पुरस्कार 7777 रुपए स्वर्गीय जोगेंद्र सिंह भाटिया की स्मृति में यशपाल सिंह टोनी भाटिया बागली के द्वारा, चतुर्थ पुरस्कार 5555 रुपए मोतीलाल यादव की स्मृति में आनंद यादव द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

सेवानिवृत्ति पर शिवहरे का किया स्वागत

आठनेर से सावलमेढा तक डीजे की धुन पर निकला काफिला

अनोखा तीर, आठनेर। शनिवार को जिला सहकारिता बैंक के संस्था प्रबंधक रामकिशोर शिवहरे 62 वर्ष की उम्र में आठनेर मुख्यालय की बैंक से सेवानिवृत हुए हैं। रामकिशोर शिवहरे ने अपने संस्था के लिए हमेशा ईमानदारी के साथ अपने कार्य को किया। किसानों से जुड़ी सभी प्रकार की योजना में अग्रणी क्षेत्र में अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य आज सभी किसानों के बीच में लोकप्रिय है। संस्था प्रबंधक रामकिशोर शिवहरे को सहकारी बैंक से जुड़े सभी कर्मचारी ने सफल कार्यकाल के लिए उनको बधाई दी। बैंक शाखा से उनके गृह ग्राम सांवलमेढा तक डीजे की धुन पर काफिला रवाना हुआ। जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ रामकिशोर शिवहरे का जोरदार स्वागत किया गया। संस्था से जुड़े कर्मचारियों में भोजराज गायकवाड़, धरमराज धोटे, भोला सोलंकी, नामदेव, ज्ञानदेव गावंडे, इशाक मनोज ठाकुर, ललीत आजाद, गणेश लहरपुरे, रामदयाल आजाद, विपिन आर्य, हरिद्वार सोंलकी, धीरज लहरपुरे, कन्हैयालाल लहरपुरे सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे। सावलमेढा में उनके गृह ग्राम में खाटू श्याम भजन संध्या के साथ भोजन व्यवस्था भी रखी है।

पहलगाम में मारे गए सैलानियों को पत्रकार संघ ने दी श्रद्धांजलि

आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई

अनोखा तीर, आठनेर। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा सैलानियों पर किए गए हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए स्थानीय बस स्टैंड स्थित शहीद स्मारक पर पत्रकार संघ द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में पत्रकारों ने मोमबत्तियां जलाकर शहीदों को नमन किया और दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। देशभर में इस हमले के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है, जिसकी गूंज आठनेर में भी देखने को मिली। पत्रकार संघ ने इस अवसर पर केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कठोर और निर्णायक कार्रवाई की मांग भी की। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ पत्रकार संजय सोनी, निखिल सोनी, विलास खातरकर, विजय, विनोद गायकवाड़, इरशाद काजी, प्रकाश आवठे, धर्मेंद्र पाटनकर, आशीष बर्डे, ऋषभ अवस्थी सहित कई अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

विद्यालय में बच्चों के लिए बनाया फिल्म थियेटर जैसा माहौल

-ग्रीष्मकालिन अवकाश से पहले बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन

अनोखा तीर, बैतूल।

शनि मंदिर के पीछे स्थित श्री अग्रसेन महाराज विद्यालय गंज बैतूल में ग्रीष्मकालिन अवकाश से पहले बच्चों के लिए समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जहां प्रतिदिन भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित कराई जा रही है। जैसे- योगा, डांस, म्यूजिक, गेम्स इन्ही के अंतर्गत बच्चो के लिए एक अनुठा कायक्रम मूवी नाइट का कार्यक्रम आयोजन हुआ। इसका उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई से हटकर मनोरंजन देना था ताकि वे गर्मियों की छुट्टियों में उत्साह के साथ प्रवेश कर सके। इस आयोजन में बच्चों ने अपनी पसंदीदा फिल्में देखी और एक मजेदार समय बिताया। फिल्म का चयन बच्चों की पसंद के अनुसार किया गया।

अभिभावकों के द्वारा भी कार्यक्रम की बहुत सराहना की गई। कार्यक्रम स्कूल के डायरेक्टर डॉ. रिशांक राठौर और प्रधानाचार्य सुरेश चढ़ोकार के मार्गदर्शन में हुआ। इस दौरान डायरेक्टर डॉ. रिशांक राठौर ने कहा बचपन में केवल पढ़ाई ही नही जीवन के हर रंग का अनुभव होना चाहिए यही असली शिक्षा है। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश चढ़ोकार ने कहा कि हम चाहते थे कि बच्चों की गर्मियों की छुट्टिया मुस्कान और खुशी के साथ शुरू हो। इसलिए विद्यालय में थियेटर जैसा माहौल बनाकर उन्हें सिखाया गया कि रचानात्मकता

इस दिन स्कूल परिसर को थियेटर जैसा रूप दिया गया प्रवेश द्वार पर टिकिट काउंटर बनाया गया और एंट्री के लिए बच्चों को प्रतीकात्मक टिकट दिए गए। इसके अलावा बच्चों को पापकार्न, जूस और हल्के स्नैक्स दिए गए। बच्चे कतार में लगकर टिकिट लेते दिखे। इस आयोजन में बच्चों की प्रतिक्रिया बड़ी संतोषजनक रही। बच्चों ने इस आयोजन को बहुत पसंद किया। साथ ही से किसी भी स्थान को यादगार बनाया जा सकता है। विद्यालय की इस अनूठी पहल से छात्र-छात्राओं को एक मजेदार शैक्षणिक अनुभव प्रदान किया गया जो उनके व्यक्तिगत विकास में भी मददगार साबित होगा। आयोजन की सफलता कि लिए विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत की जिससे यह आयोजन यादगार अनुभव बन गया।

अंजुमन कमेटी एवं उमर फाउंडेशन ने किया आतंकवाद का पुतला दहन

पाकिस्तान मुर्दाबाद आंतकवाद मुर्दाबाद के लगाए नारे

अनोखा तीर, कांटाफोड़।

नगर में शनिवार को अंजुमन कमेटी एवं उमर फाउंडेशन द्वारा सयुंक्त रूप से गांधी चौराहे पर एकत्रित होकर आंतकवाद का पुतला दहन किया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले मैं हिंदू पर्यटकों की निर्मम हत्या को लेकर पूरे देश में शोक एवं आक्रोश का माहौल है आतंकियों ने वाईसरन घाटी में पर्यटकों को निशाना बनाया जिस इस हृदय विदारक घटना के विरोध में और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कांटाफोड़ गांधी चौराहे पर अंजुमन

कमेटी एवं उमर फांउडेशन द्वारा पाकिस्तान का पुतला दहन कर आंतकवादियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की गई। पुतला दहन के दौरान मुस्लिम समाजजनों द्वारा पाकिस्तान मुर्दाबाद आंतकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। इस अवसर पर अंजुमन कमेटी सदर रजाक खान, वहीद खा मास्टर, अफजल शानी, खेरू शाह, सलीम, मंसूर ठेकेदार, शेरू शाह, हम्मू टेलर, इसरार पठान, अमित शाह, शानू खान, मयूर खान, अरबाज शाह, जिब्राइल खान, इकबाल खान सहित बडी संख्या मे मुस्लिम जन उपस्थित थे।

खाना बनाते समय सिलेंडर में लगी आग

-महिला-बच्चे समेत 5 झुलसे, 2 की हालत गंभीर, इंदौर रेफर

अनोखा तीर, देवास।

एक घर में गैस सिलेंडर में शुक्रवार रात आग लग गई। हादसे में जायसवाल परिवार के 5 लोग झुलस गए। घायलों में एक महिला, एक बच्चा और तीन पुरुष शामिल हैं। मौके पर पहुंची दमकल ने आग पर कुछ ही देर में काबू पाया। घटना अमृत नगर वार्ड क्रमांक- 22 में जायसवाल परिवार के घर की है। जहां रात को खाना बनाते समय गैस सिलेंडर का पाइप निकलने से उसमें आग लग गई। आग बुझाने के प्रयास में परिवार के 5 सदस्य झुलस गए।

दो गंभीर घायल इंदौर रेफर- क्षेत्रीय पार्षद रूपेश वर्मा के अनुसार, घटना के समय घर में 6 लोग मौजूद थे। एक व्यक्ति समय रहते बाहर निकल गया। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। तीन लोगों की स्थिति स्थिर है और उनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है। दो गंभीर घायलों को, जो 50 प्रतिशत से अधिक झुलसे हैं, इंदौर रेफर किया गया है।

दमकल ने आग पर पाया काबू

घायलों की पहचान सुरेशचंद्र जायसवाल (32), कन्हैयालाल जायसवाल (65), शकुंतला जायसवाल (55), पंकज जायसवाल (38) और कान्हा जायसवाल (13) के रूप में हुई है। सभी घायल अमृत नगर के निवासी हैं।

सीएसपी दिशेष अग्रवाल ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने तुरंत आग पर काबू पा लिया।

धम्म संगोष्ठी के माध्यम से समाज में भगवान बुद्ध एवं बाबा साहेब के संदेश को पहुंचाया

मध्य प्रदेश राज्य कमेटी की बैठक संपन्न

अनोखा तीर, बैतूल। मध्य प्रदेश राज्य कमेटी बैठक शनिवार को श्रीलंका महाबोधि सोसायटी, सांची सेंटर, सांची मध्यप्रदेश में संपन्न की गई। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया भारतीय बौद्ध महासभा जिला बैतूल के अध्यक्ष संदीप पाटिल ने बताया कि जिले में ब्लॉक स्तर एवं तहसील स्तर पर समितियों का गठन किया गया। सोसायटी के द्वारा किए गए कार्यों में डॉ.आंबेडकर जयंती, बुद्ध जयंती, वर्षवास समाप्ति, बौद्ध युवक-युवती परिचय सम्मेलन, माता सावित्री बाई फुले एवं माता रमाई की जयंती, धम्म संगोष्ठी का आयोजन एवं सोसायटी के सदस्य बनाए गए है। महासचिव कमलेश उबनारे ने जिले चल रही दो भारतीय बौद्ध महासभा के गतिविधियां एवं उसमें आने वाली समस्याओं के विषय में विस्तार से बताया। बैठक में ट्रस्टी चेयरमैन डॉ चंद्रबोधी पाटिल, राष्ट्रीय अध्यक्ष भंते आर्यवंश, धम्म रत्न सोमकुमार, राष्ट्रीय महासचिव एवं ट्रस्टी शंकरराव डेंगरे, प्रदेश अध्यक्ष सीएल बौद्ध, केंद्रीय सचिव बीटी गजभिए, केंद्रीय संगठक अशोक कुमार असैया, प्रदेश कोषाध्यक्ष एआर गोलाइत, प्रदेश उपाध्यक्ष रामशंकर आंवलेकर, जिला बैतूल उपाध्यक्ष धर्मदास दवंडे, रामराव अतुलकर, कोषाध्यक्ष शिवकिशोर पाटिल की उपस्थिति में प्रदेश से आए पदाधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में चल रहे कार्यों के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बैतूल (म.प्र.)

क्रमांक/स्वा.शा./ई./1995 बैतूल दिनांक 23/04/2025

// ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना //

(प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना)

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

क्रं.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य/सामग्री का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_418751_1	SUPPLY OF PESTICCIDES AND CHEMICALS FOR MUNICIPAL COUNCIL BETUL	1-365 Days 2-2500000/-	1-5000/- 2-18800/-	26/05/2025

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in/nicgep/app की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बैतूल

कार्यालय नगर परिषद आठनेर जिला बैतूल म.प्र.

क्रमांक/लो.नि.वि./2025/523 आठनेर, दिनांक 22/04/2025

// ई-निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य पूर्ण करने की समयावधि एवं लागत		निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	
1	2	3	4		5	
01	2025_UAD_414115_1	वार्ड क्रं. 08 में उत्कृष्ट हायर सेकेण्ड्री स्कूल के पास बागेश्वर प्रांगण (हनुमान मंदिर) में पेविंग ब्लाक एवं सौंदर्यीकरण कार्य।(विधायक निधि)	03 माह	534972	2000	5500
02	2025_UAD_414106_1	वार्ड क्रमांक 12 के बाजार चौक के पास सामुदायिक भवन में टिन शेड निर्माण कार्य (विधायक निधि)	03 माह	879043	2000	8800
03	2025_UAD_414107_1	वार्ड क्रमांक 12 में प्रकाश गायकवाड़ के मकान से राजेंद्र गायकवाड़ के मकान तक सी.सी. बेरिंग कोड निर्माण कार्य	03 माह	264022	2000	2700

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(सैयद आरिफ हुसैन) मुख्य नगरपालिका अधिकारी न.पं. आठनेर
(अजय पोटफोडे) सभापति लोक निर्माण/ उद्यान विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग न.पं. आठनेर
(विनय जितपुरे) उपाध्यक्ष न.पं. आठनेर
(सुषमा मनोज जगताप) अध्यक्ष न.पं. आठनेर

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। प्रधान संपादक सुरेश लोहाना / संपादक प्रहलाद शर्मा / प्रबंध संपादक महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।

संविदा स्वास्थ्य कर्मियों का विरोध

- नई नीति के खिलाफ मिशन संचालक के आदेश जलाए, विधायक ने दिया समर्थन

अनोखा तीर, हरदा। जिले में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को पांचवें दिन भी जारी रही। कर्मचारियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक भोपाल के आदेश की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय विधायक डॉ. आरके दोगने ने हड़ताल का समर्थन किया। उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने का आश्वासन दिया। विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कर्मचारियों की मांगों को उचित बताया है। संविदा कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष सोनू चौहान ने कहा कि मिशन संचालक की कार्यशैली से 32 हजार संविदा कर्मचारी परेशान हैं। नई संविदा नीति 2025 में मेडिकल अवकाश और अर्जित अवकाश जैसी सुविधाएं छीन ली गई हैं। अप्रैजल प्रथा को फिर से लागू किया गया है। संघ के उपाध्यक्ष डॉ. संतोष गौर ने बताया कि एनएचएम के आदेश उनके अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। जिले के 223 संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने इस आदेश का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगी। इस हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

हरदा की बेटियां हुई सम्मानित

नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने पर कलेक्टर ने किया सम्मान

अनोखा तीर, हरदा। 68 वीं राष्ट्रीय शालेय प्रतियोगिता मणिपुर इंफाल में आयोजित हुई। जिसमें 19 वर्षीय बालिका वर्ग में हरदा की तीन बेटियों ने भाग लिया। जिनके लौटने पर शनिवार को कलेक्टर सिद्धार्थ जैन द्वारा प्रमाणपत्र देकर बालिकाओं को सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि हरदा की खुशी राजपूत पिता लक्ष्मण सिंह राजपूत, कीर्ति चिचवारे पिता राजेंद्र चिचवारे, साक्षी पांडे पिता शोभाराम पांडे इन तीनों बालिकाओं ने मणिपुर इंफाल में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता 19 वर्ष वर्षीय बालिका वर्ग में मध्य प्रदेश की टीम में चयनित होकर इंफाल में मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधत्व किया। बालिकाओं के वापस लौटने पर स्थानीय कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री जैन द्वारा बालिकाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हरदा जिला खेल अधिकारी रामनिवास जाट, विक्रांत अग्रवाल, न्यू यूनाइटेड फुटबॉल क्लब हरदा के कोच अजय पुरवइया, मनोज खोरे आदि मौजूद रहे।

मरीज को लगाया सफलतापूर्वक पेस मेकर

अनोखा तीर, हरदा।

बघेल हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर हरदा में एंजियोग्राफी तथा एंजियोप्लास्टी के बाद पेस मेकर भी सफलतापूर्वक किया गया। बीएचआरसी ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. विशाल सिंह बघेल ने बताया कि एक मरीज बेहद ही गंभीर स्थिति में आया, जिसका हृदय लगभग पूर्ण रूप से ब्लॉक (बंद) हो चुका था, उसकी हृदय गति लगभग बंद हो चुकी थी। इसके कारण मरीज के नेचुरल पेस मेकर ने काम करना बंद कर दिया। मरीज को इमरजेंसी में कैथलैब में लेकर पहले तो अस्थाई पेस मेकर कर डालकर मरीज की हृदय गति को संतुलित किया, फिर 2 दिन पश्चात परमानेंट पेस मेकर डिवाइस डाल दिया गया है। जिससे कि अब उसका हृदय सही तरीके से काम करेगा और एक निर्धारित हार्ट रेट पर हार्ट अपनी नियमित रेगुलर इंटरवल पर क्रियाशील रहेगा। मरीज अब पूर्णतः स्वस्थ्य भी है। जब से बघेल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर हरदा में कैथलैब मशीन का शुभारंभ हुआ है, तब से ऐसे कई मरीजों की जान बचाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि हमारे विशेषज्ञ डॉक्टर्स में डॉ. शैली राठी माहेश्वरी, डॉ. सुनीत गौर एवं उनकी टीम बहुत कुशलतापूर्वक कार्य कर रही है। पेस मेकर के पहले ही दिन दो सफलतापूर्वक पेस मेकर डाले गए।

गंगेश्वरी मठ की जमीन बचाने के लिए धर्मसभा

- **7 हजार एकड़ में से सिर्फ 270 एकड़ बची, 21 सदस्यीय समिति बनाई**

अनोखा तीर, हरदा।

हरदा के गोंदागांव स्थित गंगेश्वरी मठ के पुनरुत्थान के लिए शनिवार को धर्मसभा का आयोजन किया गया। नर्मदा किनारे त्रिवेणी संगम पर स्थित इस प्राचीन मठ की धर्मसभा में जिलेभर से करीब एक हजार लोग शामिल हुए। मठ पुनरुत्थान समिति के सचिव सुजीत शर्मा ने बताया कि पहले मठ के नाम पर लगभग 7 हजार एकड़ जमीन थी। पूर्व मठाधीशों ने भूमाफियाओं के साथ मिलकर गैरकानूनी तरीके से जमीन बेच दी। अब मठ के पास मात्र 270 एकड़ जमीन बची है। मठ के संरक्षण के लिए 21 सदस्यीय नई समिति का गठन किया गया है। समिति मठ में गौशाला, नर्मदा परिक्रमा यात्रियों के लिए ठहरने की व्यवस्था और सदाव्रत जैसी निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। मठ के संस्थापक अमृतानंद जी महाराज के सपनों को साकार करने का प्रयास किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए हरदा,

नर्मदापुरम, बैतूल, रायसेन, देवास और पचमढ़ी से 250 से अधिक पुलिस जवानों को तैनात किया गया। एसडीएम महेश बड़ोले ने स्पष्ट किया कि मठ के पूर्व मठाधीश और वर्तमान समिति के बीच कोई विवाद नहीं है। मठाधीश ने ही समिति के गठन का आवेदन दिया था।

सर्व ब्राह्मण समाज 29 अप्रैल को हंडिया तट पर चलाएगा स्वच्छता कार्यक्रम

अनोखा तीर, हरदा। सर्व ब्राह्मण समाज संगठन द्वारा अक्षय तृतीय के पूर्व हंडिया तट पर साफ-सफाई कार्य किया जाएगा। संगठन के नगर अध्यक्ष दीपक शुक्ला ने बताया कि परशुराम जन्मोत्सव की शुरुआत हंडिया तट पर स्वच्छता कार्य से होगी, वहीं तट पर लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित भी किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रभारी संदीप पुरोहित एवं सौरभ तिवारी ने बताया कि स्वच्छता के लिए डस्टबीन एवं पोस्टर भी लगाए जाएंगे। उन्होंने युवाओं से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

- 3 मई को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन

सर्वजन के लिए लगेगा निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर- संगठन द्वारा 3 मई को सुबह 10 बजे से रेवा गार्डन में सभी वर्ग के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर लगाया जाएगा।

युवा इकाई अध्यक्ष विवेक बादर ने बताया कि शिविर में पेट एवं लीवर रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकुर पाठक, दमा एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ डॉ. हरीश पाठक, कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ स्नेहा निनामा, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. मयंक शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीति भदौरिया, न्यूरोसर्जन डॉ. पीयूष पंचारिया, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीतेश व्यास, जनरल फिजिशियन डॉ. आदर्श शुक्ला, डॉ. धर्मेंद्र शर्मा, डॉ. प्रणय शर्मा, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. राहुल त्रिपाठी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. आदर्श भारद्वाज उपस्थित रहेंगे।

अवैध हथियार व मोटर साइकिल चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

अनोखा तीर, खिरकिया।

छीपाबड़ पुलिस ने मोटरसाईकिल चोर एवं अवैध हथियार रखने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के छीपाबड़ थाना से 25 अप्रैल को अवैध शराब जुआं, सट्टा पर कार्यवाही के लिए टीम रवाना की गई थी। उक्त टीम को भ्रमण के दैरान शाम करीब 05.30 बजे सूचना प्राप्त हुई कि एक लड़का चैक की शर्ट एवं हल्के नीले रंग का जिन्स पहने हुऐ काले कलर की मोटरसायकल से हरदा से छीपाबड़ की ओर आ रहा है। लड़के के पास एक देशी पिस्टल और कारतूस है।

सूचना पर थाना छीपाबड़ में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक सजंय ठाकुर, प्रधान आरक्षक हर्षवर्धन, आरक्षक उदय सिंह, हीरालाल, चालक आरक्षक हेमू मौके पर पहुंचे। जहां छिपकर आरोपी का इंतजार किया। एक साईन मोटरसायकल पर मुखबीर द्वारा बताये हुलिये का लड़का टोल टैक्स नाके के पास आता दिखा। जिसे स्टाफ की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में लड़के ने अपना नाम भूपेन्द्र उर्फ भूपेश पिता जगदीश कोरकू उम्र 19 साल निवासी झांझरी का बताया। तलाशी लेने पर जींस पेंट के दाहिने तरफ के जेब से एक देशी पिस्टल एवं एक जिंदा कारतूस मिले। वहीं उनके पास से हथियार रखने सबंधी वैध लायसेंस नहीं मिलने पर भूपेन्द्र के कब्जे से एक देशी पिस्टल एवं एक जिंदा कारतूस किमती 20 हजार रुपए एवं साईन मोटरसायकल के विषय में पूछताछ पर आरोपी भूपेन्द्र ने दो-तीन दिन पहले छीपाबड़ मंडी के पास से मोटरसायकल चोरी करना बताया। आरोपी भूपेन्द्र उर्फ भूपेश से देशी पिस्टल एवं कारतूस एवं एक होड़ा साईन मोटसायकल जप्त कर अपराध क्र. 194/25 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना में पुलिस अधीक्षक अभिनव चौकसे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरदा एवं एसडीओपी खिरकिया के निर्देशन व थाना प्रभारी छीपाबड़ के मार्गदर्शन में आरोपी भूपेन्द्र कोरकू को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जाएगा। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी छीपाबड़ आरपी कवरेती, सहायक उपनिरीक्षक सजंय ठाकुर का विशेष योगदान एवं थाना स्टाफ प्रधान आरक्षक हर्षवर्धन चौरसे, आरक्षक हीरालाल सोलंकी, उदयसिंह सुर्यवंशी, परमानंद, सौरभ राजपूत, हेमूलाल की सराहनीय भूमिका रही।

कोतवाली पुलिस ने मोटर साइकिल चोर को किया गिरफ्तार

अनोखा तीर, हरदा।

कोतवाली पुलिस ने मोटर साइकिल चोर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में उक्त कार्यवाही को अंजाम दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस को 25 अप्रेल को फरियादी अरूण योगी निवासी श्रीधाम कालोनी हरदा द्वारा सुबह 11.30 बजे अपनी काले रंग की हीरो कंपनी की मोटर सायकल क्रमांक एमपी 47 जेडसी 7118 की चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें आवेदक ने बताया कि मेरे मोटर साइकिल घर के सामने खड़ी की गई थी। दोपहर 2.30 बजे करीब फरियादी द्वारा अपनी मोटर सायकल देखने पर नहीं मिली, जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। आवेदक की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली हरदा में अपराध क्रमांक 257/25 धारा 303(2) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। घटना की सूचना के तुरंत बाद ही पुलिस स्टाफ द्वारा अपने मुखबिरों के माध्यम से वाहन चोर संजय राजपूत पिता विजय सिंह राजपूत निवासी ग्राम बोरखेड़ा थाना भैरूंदा जिला सीहोर हाल ग्वाल नगर हरदा को चोरी की गई मोटर सायकल सहित पीलियाखाल रेलवे ब्रिज के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी से एक काले रंग की हीरो कम्पनी की मोटर सायकल क्रमांक एमपी 47 जेडसी 7118 कीमती 1 लाख 10 हजार रूपए की जप्त की गई। बताया गया कि आरोपी संजय राजपूत के विरूद्ध पूर्व में हरदा, भैरूंदा जिला सीहोर, भोपाल में अपराध पंजीबद्ध हैं। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद

सिंह मर्सकोले, सहायक उपनिरीक्षक महेश पासी, प्रधान आरक्षक जमसन लोवंशी, अमित बोरासी, आरक्षक वीरेन्द्र राजपूत, दीपक बरकड़े की विशेष भूमिका रही।

उप संचालक ने मूंग फसल का किया निरीक्षण, किसानों को दी सलाह

अनोखा तीर, हरदा। उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास जेएल कास्दे ने शनिवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर ग्रीष्मकालीन मूंग फसल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम रन्हाईकलां, पानतलाई, दुधकच्छ, फुलड़ी एवं सोहागपुर में ग्रीष्मकालीन मूंग फसल का निरीक्षण कर किसानों को ग्रीष्म कालीन मूंग फसल के लिये सम सामयिकी सलाह दी है। उपसंचालक श्री कास्दे ने ग्राम रन्हाईकला के किसान श्री शर्मा के खेत में नवीनतम तकनीकी के लिए नरवाई प्रबंधन के लिए मूंग फसल की बुवाई के बाद द्वितीय सिंचाई उपरांत रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के स्थान पर जैविक पद्धति से छोटे ट्रैक्टर के माध्यम से कुलपा या डोरा चलाने की सलाह दी।

जिससे कि खेतों में मूंग फसल में रसायनों का कम से कम उपयोग हो और मूंग फसल की उचित वानस्पतिक वृद्धि हो सके। भ्रमण के दौरान सहायक संचालक कृषि भागवत सिंह भी उपस्थित थे।

पर्वतारोही ज्योति रात्रे का होगा सम्मान

अनोखा तीर, हरदा। माउंट एवरेस्ट को सर्वाधिक उम्र में फतह करने वाली हरदा की बेटी ज्योति रात्रे का सम्मान संभावना विचार मंच और मध्यप्रदेश राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, हरदा जिला इकाई संयुक्तरूप से किया जाएगा। यह कार्यक्रम

आगामी 3 मई को संभावना विचार मंच के तत्वावधान में आयोजित होगा। कार्यक्रम के संयोजक ज्ञानेश चौबे ने बताया कि 55 वर्ष की उम्र में लगातार सक्रियता के साथ यह उपलब्धि बेटियों और महिलाओं के लिए प्रेरणा प्रदान करती है। उनकी कहानी और उस पर संवाद का यह महत्वपूर्ण आयोजन 03 मई शनिवार, संध्या 05 बजे होगा।

पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक ने रेलवे के एरिया ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया

-जीएम ने रेल प्रशिक्षुओं से संवाद भी किया

अनोखा तीर, भोपाल।

रेलवे में चलाए जा रहे संरक्षा अभियानों से रेल संरक्षा को मजबूती मिल रही है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने शनिवार को भोपाल मंडल स्थित रेलवे के एरिया ट्रेनिंग सेंटर (एटीसी) का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने इंजीनियरिंग एवं परिचालन विभाग के संरक्षा से जुड़े ट्रैकमैन, गैंगमैन, प्वाइंट्समैन, स्टेशन मास्टर एवं गार्ड जैसे प्रशिक्षुओं से सीधा संवाद किया। महाप्रबंधक ने कर्मचारियों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने और ड्यूटी के दौरान संरक्षा पर विशेष ध्यान देने का आव्हान किया। महाप्रबंधक ने निर्माणाधीन कंप्यूटर आधारित परीक्षा हॉल तथा नियंत्रण कक्षों का भी सघन निरीक्षण किया। प्रशिक्षण केंद्र की विभिन्न कक्षाओं में जाकर चल रही गतिविधियों का भी जायजा लिया और भविष्य की योजनाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान श्रीमती बंदोपाध्याय ने अधिकारियों को प्रशिक्षण की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए और कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को इस प्रकार डिजाइन किया जाए कि यह कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाएं। उन्होंने रेल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ट्रेनिंग ले रहे कर्मचारियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएं। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती रश्मि दिवाकर, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) ऋतुराज शर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी विजय सिंह, मंडल अभियंता मुख्यालय श्याम नगर सहित अन्य अधिकारीगण एवं सभी पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

सारथी पोर्टल से मिलेगी ई-आरटीओ सेवा और ई-चेकपोस्ट सेवा

अनोखा तीर, हरदा। प्रदेश के परिवहन कार्यालयों में आम नागरिकों को प्रदाय की जाने वाली समस्त सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने तथा प्राप्त आवेदनों का निराकरण परिवहन विभाग के सारथी पोर्टल पर ऑनलाइन ही किए जाने के प्रावधान किये गए हैं। विभाग द्वारा जिला परिवहन कार्यालय में सेवाओं के लिए निर्धारित शुल्क एवं वाहनों के मोटरयान कर ऑनलाइन की जमा करने की व्यवस्था कर दी गई है। इस व्यवस्था के शुरू हो जाने के बाद से परिवहन कार्यालयों में नगद राशि जमा करने की व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। अन्य प्रांतों से प्रदेश में आने वाले अथवा प्रदेश से गुजरने वाले वाहनों को मध्यप्रदेश मोटरयान कर ऑनलाइन जमा कराने के लिए एनआईसी के ई-चेक पोस्ट पोर्टल पर उपयोग किया जाना भी प्रारंभ किया जा चुका है। इस सुविधा से अन्य प्रांतों के परिवहन मोटर स्वामी अपने वाहन का मोटरयान कर ऑनलाइन जमा कर पा रहे हैं। इस सुविधा से अनावश्यक रूप से होने वाली असुविधा से वाहन मालिकों को छुटकारा मिल गया है।